

Disclaimer

The Institute has given the right of translation of the material in Hindi and is not responsible for the quality of the translated version. While due care has been taken to ensure the quality of the original material. If any errors or omissions are noticed in Hindi then kindly refer with English version.

अस्वीकरण

भारतीय लेखाकार संस्थान ने इस अध्ययन विषय-वस्तु के हिंदी अनुवाद का अधिकार किसी को दिया था और अनुवादित संस्करण की गुणवत्ता के लिए संस्थान उत्तरदायी नहीं है। हालाँकि, इस अध्ययन विषय-वस्तु के मूल रूप की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने का पूरा ध्यान रखा गया है, फिर भी, यदि हिंदी में कोई त्रुटि या चूक दिखाई देती है तो कृपया अंग्रेजी संस्करण का संदर्भ लें।

पेपर-1: वित्तीय प्रतिवेदन

प्रश्न सं. 1 अनिवार्य है। अभ्यर्थियों को बाकी के पांच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना है।

वर्किंग नोट्स संबंधित उत्तरों का भाग होना चाहिए।

प्रश्न 1

(क) नीचे कंपनियों के एक ग्रुप के 31 मार्च 2022 के बैलेंस शीट्स दिए गए हैं जिनमें X लिमिटेड, Y लिमिटेड और Z लिमिटेड कंपनियाँ हैं: (₹ लाख में)

	X लिमिटेड	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
परिसंपत्तियाँ			
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1,120	1,260	1,050
निवेश:			
Y लिमिटेड में 12 लाख शेयर	1,190		
Z लिमिटेड में 84 लाख शेयर		980	
चालू परिसंपत्तियाँ			
इंवेन्ट्रीज़	770	245	175
वित्तीय परिसंपत्तियाँ:			
प्राप्य ट्रेड	910	350	770
प्राप्य बिल्स	252	-	105
हाथ में और बैंक में नकदी	<u>798</u>	<u>140</u>	<u>140</u>
	<u>5,040</u>	<u>2,975</u>	<u>2,240</u>
इक्विटी और देनदारियां			
शेयरधारक की इक्विटी			
शेयर कैपिटल (₹. 10 प्रति शेयर)	2,100	1,400	1,120
अन्य इक्विटी:			
रिज़र्व	630	350	280
प्रतिधारित आय	560	175	210

चालू देनदारियां			
वित्तीय देनदारियां:			
देय व्यापार	1,645	805	630
देय बिल्स			
X लिमिटेड	-	245	-
Y लिमिटेड	<u>105</u>	<u>-</u>	<u>-</u>
	<u>5,040</u>	<u>2,975</u>	<u>2,240</u>

निम्नलिखित अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध है:

- X लिमिटेड का Y लिमिटेड में 80% शेयर है और Y लिमिटेड का Z लिमिटेड में 75% शेयर है। उनके होल्डिंग्स 30 मार्च 2021 को अधिग्रहीत हुए थे।
- सभी कंपनियों की व्यावसायिक गतिविधियाँ सीजनल प्रकृति के नहीं हैं, और इसलिए यह माना जा सकता है कि पूरे वर्ष समान रूप से लाभ अर्जित किया जाता है।
- 1 अप्रैल 2021 को, Y लिमिटेड और Z लिमिटेड के बुक्स में निम्नलिखित बैलेंस थे।

(₹ लाख में)

	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
रिज़र्व	280	210
प्रतिधारित आय	70	105

- Y लिमिटेड के इन्वेंट्री फिगर में शामिल रु. 35 लाख इन्वेंट्री है जिसे Z लिमिटेड से 25% लागतपरि पर खरीदा गया है।
- मूल कंपनी ने भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 103 को लागू करते हुए उचित मूल्य (उद्धरित बाजार मूल्य) पर गैर-नियंत्रित ब्याज का मूल्यांकन करने के लिए एक अकाउंटिंग पॉलिसी अपनाई है। मान लें कि Y लिमिटेड और Z लिमिटेड के शेयरों का बाजार मूल्य उनके संबंधित अंकित मूल्यों के समान है।
- Z लिमिटेड के शेयरों का अधिग्रहण करने के बाद Y लिमिटेड ने Z लिमिटेड से माल खरीदा।

आपको 31 मार्च 2022 तक के लिए X लिमिटेड, Y लिमिटेड और Z लिमिटेड के लिए एक कॉन्सोलिडेटेड बैलेंस शीट तैयार करना है। (15 अंक)

- (ख) सिल्वर लिमिटेड बिजनेस रिकॉग्निशन प्लान के रूप में ब्लू लिमिटेड के शेयर्स अधिग्रहण करने की प्रक्रिया में है। अलगे 5 वर्षों के लिए ब्लू लिमिटेड का प्रोजेक्टेड फ्री कैश फ्लो इस प्रकार है: (₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
कैश फ्लो	280.65	281.40	182.70	403.50	518.20
टर्मिनल वैल्यू					5,945

ब्लू लिमिटेड का भारत औसत पूंजी लागत 10% है। मूल्यांकन तिथि तक कुल उधार रु. 2,195 करोड़ है और अधिशेष नगद और नगद समतुल्य रु. 159.21 करोड़ है।

मूल्यांकन तिथि तक ब्लू लिमिटेड के शेयरों की कुल संख्या 12.80 करोड़ है।

आपको भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 113 के इनकम अप्रोच के अनुसार ब्लू लिमिटेड के प्रति शेयर मूल्य का निर्धारण करना है।

(गणना करने के उद्देश्य से 1 रु. वर्तमान वैल्यू फैक्टर को 4 दशमलव तक लेना चाहिए)

(5 अंक)

उत्तर

- (क) 31 मार्च 2022 तक समूह का समेकित तुलन पत्र

विवरण	नोट सं.	₹ लाख में
परिसंपत्तियाँ		
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1	3,430.00
चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) इवेंट्रीज़	2	1,183.00
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
(i) प्राप्य ट्रेड	3	2,142.00
(ii) नकद एवं नकद समतुल्य	4	1,078.00
कुल परिसंपत्तियाँ		7,833.00

इक्विटी एवं देनदारियाँ		
पैरेंट के मालिकों से संबंधित इक्विटी		
(क) शेयर पूंजी	5	2,100.00
(ख) अन्य इक्विटी		1,966.30
गैर-नियंत्रित ब्याज (डब्लू.एन.4)		581.70
कुल इक्विटी		4,648.00
देयताएं		
गैर-चालू देयताएँ		शून्य
चालू देयताएँ		
(क) वित्तीय देयताएं	6	
(i) देय ट्रेड		3,185.00
कुल देयताएँ		3,185.00
कुल इक्विटी और देयताएं		7,833.00

खातों के लिए नोट्स

(₹ लाख में)

1.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण		
	X लिमिटेड	1,120.00	
	Y लिमिटेड	1,260.00	
	Z लिमिटेड	<u>1,050.00</u>	3,430.00
2.	इंवेंट्रीज़		
	X लिमिटेड	770.00	
	Y लिमिटेड (245 - 7)	238.00	
	Z लिमिटेड	<u>175.00</u>	1,183.00
3.	व्यापार प्राप्य		
	X लिमिटेड	910.00	
	Y लिमिटेड	350.00	
	Z लिमिटेड	<u>770.00</u>	

	(क)	<u>2,030.00</u>	
	प्राप्य बिल		
	X लिमिटेड (252 - 245)	7.00	
	Z लिमिटेड	<u>105.00</u>	
	(ख)	<u>112.00</u>	
4.	कुल व्यापार प्राप्य (क+ख)		2,142.00
	नकद और नकद समतुल्य		
	X लिमिटेड	798.00	
	Y लिमिटेड	140.00	
	Z लिमिटेड	<u>140.00</u>	1,078.00
5.	अन्य इक्विटी		
	रिजर्व (डब्ल्यू.एन.5)	679.00	
	प्रतिधारित आय (डब्ल्यू.एन.5)	629.30	
	पूँजी रिजर्व (डब्ल्यू.एन.3)	<u>658.00</u>	1,966.30
6.	व्यापार प्राप्य		
	X लिमिटेड	1,645.00	
	Y लिमिटेड	805.00	
	Z लिमिटेड	<u>630.00</u>	
	(क)	<u>3,080.00</u>	
	देय बिल		
	X लिमिटेड	105.00	
	Y लिमिटेड (245 - 245)	-	
	(ख)	<u>105.00</u>	
	कुल व्यापार देय (क+ख)		3,185.00

*नोट: X लिमिटेड के देय बिल्स Y लिमिटेड के देय बिल्स के रूप में प्रतिबिंबित नहीं होते हैं। ऐसा हो सकता है क्योंकि Y लिमिटेड इसे बैंक/थर्ड पार्टी को डिस्काउंट/एंडोर्स कर सकता है।

वर्किंग नोट्स:

1. रिज़र्व और सरप्लस का विश्लेषण

(₹ लाख में)

		Y लिमिटेड		Z लिमिटेड
31.3.2021 तक रिज़र्व		280.00		210.00
वर्ष 2021-2022 के दौरान वृद्धि	70.00		70.00	
30.9.2021 तक आधे वर्ष के लिए वृद्धि		35.00		35.00
30.9.2021 तक बैलेंस (क)		315.00		245.00
31.3.2022 तक कुल बैलेंस		350.00		280.00
रिज़र्व का अधिग्रहण के बाद का बैलेंस		35.00		35.00
31.3.2021 तक प्रतिधारित आय		70.00		105.00
वर्ष 2021-2022 के दौरान वृद्धि	105.00		105.00	
30.9.2021 तक आधे वर्ष के लिए वृद्धि		52.50		52.50
30.9.2021 तक बैलेंस (ख)		122.50		157.50
31.3.2022 तक कुल बैलेंस		175.00		210.00
आरई का अधिग्रहण के बाद का बैलेंस		52.50		52.50
घटारः इवेंट्री पर अप्राप्त लाभ [(35 ÷ 125) x 25]		-		(7.00)
सीएफएस के लिए आरई का अधिग्रहण के बाद का बैलेंस		52.50		45.50
अधिग्रहण तिथि 30.9.2021 पर कुल बैलेंस (क+ख)		437.50		402.50

2. Z लिमिटेड में X लिमिटेड के प्रभावी ब्याज की गणना

Y लिमिटेड में X लिमिटेड द्वारा अधिग्रहण	= 80%
Y लिमिटेड का गैर-नियंत्रित ब्याज	= 20%
Z लिमिटेड में Y लिमिटेड द्वारा अधिग्रहण	= 75%
Z लिमिटेड में समूह द्वारा अधिग्रहण (80% x 75)	= 60%
Z लिमिटेड का गैर-नियंत्रित ब्याज	= 40%

3. सहायक कंपनियों के अधिग्रहण पर गुडविल/कैपिटल रिज़र्व की गणना ₹ लाख में

	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
निवेश या प्रतिफल	1,190.00	(980 x 80%) 784.00
जोड़े: उचित मूल्य पर एनसीआई (1,400 x 20%)	280.00	
(1,120 x 40%)	-	448.00
	1,470.00	1,232.00
घटाएँ: पहचान योग्य कुल परिसंपत्तियाँ (शेयर कैपिटल + अधिग्रहण तिथि तक रिज़र्व और सरप्लस में ब्याज)	(1,400+437.50) (1,837.50)	(1,120+402.50) (1,522.50)
कैपिटल रिज़र्व	367.50	290.50
कुल कैपिटल रिज़र्व (367.50+290.50)	658.00	

4. गैर-नियंत्रित ब्याज की गणना ₹ लाख में

	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
उचित मूल्य पर (नोट 3 देखें)	280.00	448.00
जोड़े: अधिग्रहण के बाद के रिज़र्व (नोट 1 देखें)	(35 x 20%) 7.00	(35 x 40%) 14.00
जोड़े: अधिग्रहण के बाद के प्रतिधारित आय (नोट 1 देखें)	(52.50 x 20%) 10.50	(45.50 x 40%) 18.20
घटाएँ: Z लिमिटेड में निवेश का	(980 x 20%) (196.00)*	-

एनसीआई शेयर		
	101.50	480.20
कुल (101.50 + 480.20)	581.70	

*नोट: Y लिमिटेड में गैर-नियंत्रित ब्याज Z लिमिटेड में अपना अनुपात लेगा। इसलिए उन्हें Y लिमिटेड द्वारा निवेश में अपना अनुपात बनाए रखना है (Z लिमिटेड में भी)।

5. अन्य समेकित इक्विटी की गणना

₹ लाख में

	रिजर्व	प्रतिधारित आय
X लिमिटेड	630.00	560.00
जोड़े: Y लिमिटेड में शेयर	(35 x 80%) 28.00	(52.50 x 80%) 42.00
जोड़े: Z लिमिटेड में शेयर	(35 x 60%) 21.00	(45.50 x 60%) 27.30
	<u>679.00</u>	<u>629.30</u>

ऊपर दिए गए हल में, ऐसा माना गया है कि Z लिमिटेड के लाभ वर्ष के दौरान एकसमान रूप से अर्जित किए गए हैं चाहे Y लिमिटेड के लिए अधिग्रहण के बाद माल की बिक्री कुछ भी हो।

वैकल्पिक रूप से, Y लिमिटेड को माल की बिक्री पर होने वाले लाभ को Z लिमिटेड के कुल लाभ से अधिग्रहण के पहले और अधिग्रहण के बाद के Z लिमिटेड के कुल लाभ के वितरण से पहले घटाया जाता है। ऐसी स्थिति में, हल इस प्रकार होगा:

31 मार्च 2022 तक समूह का समेकित तुलन पत्र

विवरण	नोट सं.	₹ लाख में
परिसंपत्तियाँ		
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) संपत्ति, संयंत्र तथा उपकरण	1	3,430.00
चालू परिसंपत्तियाँ		
(क) इन्वेंट्री	2	1,183.00
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
(i) व्यापार प्राप्य	3	2,142.00
(ii) नकद और नकद समतुल्य	4	<u>1,078.00</u>

कुल परिसंपत्तियाँ		<u>7,833.00</u>
इक्विटी एवं देयताएँ		
माता-पिता के मालिकों के कारण इक्विटी		
शेयर पूंजी		2,100.00
अन्य इक्विटी	5	1,964.90
गैर-नियंत्रित हित (डब्ल्यू.एन.4)		<u>583.10</u>
कुल इक्विटी		<u>4,648.00</u>

देयताएँ		
गैर-चालू देयताएँ		शून्य
चालू देयताएँ		
(क) वित्तीय देयताएँ		
(i) व्यापार देय	6	<u>3,185.00</u>
कुल देयताएँ		<u>3,185.00</u>
कुल इक्विटी और देयताएँ		<u>7,833.00</u>

खातों के लिए नोट्स

(₹ लाख में)

1.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण		
	X लिमिटेड	1,120.00	
	Y लिमिटेड	1,260.00	
	Z लिमिटेड	<u>1,050.00</u>	3,430.00
2.	इंवेंट्रीज़		
	X लिमिटेड	770.00	
	Y लिमिटेड (245 - 7)	238.00	
	Z लिमिटेड	<u>175.00</u>	1,183.00

3.	व्यापार प्राप्य			
	X लिमिटेड	910.00		
	Y लिमिटेड	350.00		
	Z लिमिटेड	<u>770.00</u>		
		(क)	<u>2,030.00</u>	
	प्राप्य बिल			
	X लिमिटेड (252 - 245)	7.00		
	Z लिमिटेड	<u>105.00</u>		
		(ख)	<u>112.00</u>	
		कुल व्यापार प्राप्य (क+ख)		2,142.00
4.	नकद और नकद समतुल्य			
	X लिमिटेड	798.00		
	Y लिमिटेड	140.00		
	Z लिमिटेड	<u>140.00</u>	1,078.00	
5.	अन्य इक्विटी			
	रिजर्व (डब्ल्यू.एन.5)	679.00		
	प्रतिधारित आय (डब्ल्यू.एन.5)	631.40		
	पूंजी रिजर्व (डब्ल्यू.एन.3)	<u>654.50</u>	1,964.90	
6.	व्यापार प्राप्य			
	X लिमिटेड	1,645.00		
	Y लिमिटेड	805.00		
	Z लिमिटेड	<u>630.00</u>		
		(क)	<u>3,080.00</u>	
	देय बिल			
	X लिमिटेड	105.00		
	Y लिमिटेड (245 - 245)	<u>-</u>		
		(ख)	<u>105.00</u>	
		कुल व्यापार देय (क+ख)		3,185.00

*नोट: X लिमिटेड के देय बिल्स Y लिमिटेड के देय बिल्स के रूप में प्रतिबिंबित नहीं होते हैं। ऐसा हो सकता है क्योंकि Y लिमिटेड इसे बैंक/थर्ड पार्टी को डिस्काउंट/एंडोर्स कर सकता है।

वर्किंग नोट्स:

1. रिज़र्व और सरप्लस का विश्लेषण

(₹ लाख में)

		Y लिमिटेड		Z लिमिटेड
31.3.2021 तक रिज़र्व		280.00		210.00
वर्ष 2021-2022 के दौरान वृद्धि	70.00		70.00	
30.9.2021 तक आधे वर्ष के लिए वृद्धि		<u>35.00</u>		<u>35.00</u>
30.9.2021 तक बैलेंस (क)		315.00		245.00
31.3.2022 तक कुल बैलेंस		<u>350.00</u>		<u>280</u>
रिज़र्व का अधिग्रहण के बाद का बैलेंस		<u>35.00</u>		<u>35.00</u>
31.3.2021 तक प्रतिधारित आय		70.00		105.00
Y लिमिटेड के लिए वर्ष 2021-2022 के दौरान वृद्धि	105.00			
Z लिमिटेड के लिए वर्ष 2021-2022 के दौरान वृद्धि	105.00			
घटाएँ: अप्राप्त लाभ $[(35/125) \times 25]$	<u>(7.00)</u>			
Z लिमिटेड के लिए समान रूप से अर्जित वर्ष का लाभ	<u>98.00</u>		98	
30.9.2021 तक आधे वर्ष के लिए वृद्धि		<u>52.50</u>		<u>49.00</u>
30.9.2021 तक बैलेंस (ख)		122.50		154.00
31.3.2022 तक कुल बैलेंस		<u>(175.00)</u>		<u>(210.00)</u>
अधिग्रहण के बाद का बैलेंस		52.50		56.00
घटाएँ: इन्वेंट्री पर अप्राप्त लाभ $[(35/125) \times 25]$		—		<u>(7.00)</u>
सीएफएस के लिए अधिग्रहण के बाद का		<u>52.50</u>		<u>49.00</u>

बैलेंस			
अधिग्रहण तिथि अर्थात् 30.9.2021 पर			
कुल बैलेंस (क+ख)		437.50	399.00

2. Z लिमिटेड में X लिमिटेड के प्रभावी ब्याज की गणना

Y लिमिटेड में X लिमिटेड द्वारा अधिग्रहण	= 80%
Y लिमिटेड का गैर-नियंत्रित ब्याज	= 20%
Z लिमिटेड में Y लिमिटेड द्वारा अधिग्रहण	= 75%
Z लिमिटेड में समूह द्वारा अधिग्रहण (80% x 75)	= 60%
Z लिमिटेड का गैर-नियंत्रित ब्याज	= 40%

3. अधिग्रहण पर गुडविल/कैपिटल रिज़र्व की गणना

(₹ लाख में)

	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
निवेश या प्रतिफल	1,190	(980 x 80%) 784
जोड़े: उचित मूल्य पर एनसीआई		
(1,400 x 20%)	280	
(1,120 x 40%)	—	448
	1,470	1,232
घटाएँ: पहचान योग्य कुल परिसंपत्तियाँ	(1,400+437.50)	(1,120+399)
(शेयर कैपिटल + अधिग्रहण तिथि तक रिज़र्व और सरप्लस में ब्याज)	(1,837.50)	(1,519.00)
कैपिटल रिज़र्व	367.50	287.00
कुल कैपिटल रिज़र्व (367.50 + 287.00)	654.50	

4. गैर-नियंत्रित ब्याज की गणना

(₹ लाख में)

	Y लिमिटेड	Z लिमिटेड
उचित मूल्य पर (नोट 3 देखें)	280.00	448.00
जोड़े: अधिग्रहण के बाद के रिज़र्व (नोट 1 देखें)	(35 x 20%) 7.00	(35 x 40%) 14.00
जोड़े: अधिग्रहण के बाद के प्रतिधारित आय (नोट 1 देखें)	(52.50 x 20%) 10.50	(49.00 x 40%) 19.60
घटाएँ: Z लिमिटेड में निवेश का एनसीआई शेयर	(980 x 20%) (196.00)*	—
	<u>101.50</u>	<u>481.60</u>
कुल (101.50 + 481.60)	583.10	

*नोट: Y लिमिटेड में गैर-नियंत्रित ब्याज Z लिमिटेड में अपना प्रोपोर्शन लेगा। इसलिए उन्हें Y लिमिटेड द्वारा निवेश में अपना प्रोपोर्शन बनाए रखना है (Z लिमिटेड में भी)।

5. समेकित अन्य इक्विटी की गणना

(₹ लाख में)

	रिज़र्व	प्रतिधारित आय
X लिमिटेड	630.00	560.00
जोड़े: Y लिमिटेड में शेयर	(35 x 80%) 28.00	(52.50 x 80%) 42.00
जोड़े: Z लिमिटेड में शेयर	(35 x 60%) 21.00	(49.00 x 60%) 29.40
	<u>679.00</u>	<u>631.40</u>

(ख) ब्लू लिमिटेड के इक्विटी वैल्यू का पता लगाना

(₹ करोड़ में)

विवरण	वर्ष 1	वर्ष 2	वर्ष 3	वर्ष 4	वर्ष 5
कैश फ्लो	280.65	281.40	182.70	403.50	518.20
टर्मिनल वैल्यू					5,945
	280.65	281.40	182.70	403.50	6,463.20
छूट दर @ 10%	0.9091	0.8264	0.7513	0.6830	0.6209

फर्म के पास उपलब्ध फ्री कैश फ्लो	255.14	232.55	137.26	275.59	4,013.00
कुल सभी वर्ष					4,913.54
घटाएँ: ऋण					(2,195.00)
जोड़े: नकद एवं नकद समतुल्य					159.21
पीटी लिमिटेड का इक्विटी वैल्यू					2,877.75
शेयरों की संख्या (करोड़ में)					12.80 करोड़
प्रति शेयर वैल्यू (रु. 2,877.75/12.80 करोड़)					₹ 224.82

प्रश्न 2

(क) 1 अप्रैल 2021 को, मोहन लिमिटेड ने 7,50,000 रु. के मूल्य पर हरि लिमिटेड को माल बेचा। इसका रिसीट दो-वर्ष की अवधि में प्रत्येक 2,50,000 के तीन बराबर किस्तों में प्राप्त होना है (1 अप्रैल 2021; 31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2023 को प्राप्तियाँ)।

कंपनी 5% छूट देती है (अर्थात् 37,500 रु.) यदि सेल के समय पूरा भुगतान किया जाता है। सेल अग्रीमेंट में 5.358% प्रति वर्ष स्पष्ट ब्याज दर वर्णित है।

इस सेल से प्राप्त किए जाने योग्य कुल प्रतिफल 7,50,000 रु. है और इसलिए, मैनेजमेंट ने माल की बिक्री से 7,50,000 रु. राजस्व की गणना की।

आपको यह पता लगाना है कि अकाउंटेंट द्वारा ऊपर किया गया अकाउंटिंग ट्रीटमेंट भारतीय लेखा मानक के अनुरूप है या नहीं। यदि नहीं है, तो जर्नल प्रवृष्टियाँ और लाभ-हानि विवरण के निष्कर्षों और बैलेंस शीट के साथ सही ट्रीटमेंट की सलाह दें। **(6 अंक)**

(ख) A लिमिटेड का इंफ्रास्ट्रक्चर का बिजनेस है और इसके दो डिविज़न हैं। इसके बिजनेस का संक्षिप्त विवरण और मुख्य प्रोजेक्ट विवरण इस प्रकार हैं:

परियोजना 1: लुधियाना - चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे टोल परियोजना

कंपनी ने इस परियोजना का निर्माण चालू वर्ष में शुरू कर दिया है। रियायत समझौते का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:

- 31 मार्च 2022 तक कुल व्यय 100 करोड़ रु. हुआ है।

- आईजीएएपी के अंतर्गत, कंपनी ने ऐसे व्ययों को बही-खाते में अमूर्त परिसंपत्तियों के रूप में दर्ज किया है। परियोजना पर होने वाला कुल अनुमानित व्यय 200 करोड़ रु. है;
- कंस्ट्रक्शन सर्विस का उचित मूल्य 220 करोड़ रु. है;
- कंसेशन समझौते के अंतर्गत सरकार द्वारा गारंटीड कुल नकद प्रवाह 350 करोड़ रु. है;
- परिचालन की अवधि के दौरान वित्त राजस्व 30 करोड़ रु. है;
- अन्य आमदनी परिचालन अवधि के दौरान प्रदान की गई सेवाओं के संबंधित है।

परियोजना 2: बेंगलुरु - चेन्नई एक्सप्रेसवे टोल प्रोजेक्ट

कंपनी ने चालू वर्ष में कर्नाटक सरकार के साथ एक अन्य रियायत समझौता भी किया है। उक्त रियायत समझौता टोल बेस्ड प्रोजेक्ट है और कंपनी को एक्सप्रेसवे के उपयोगकर्ताओं से टोल वसूलना है। उक्त प्रोजेक्ट की निर्माण लागत 150 करोड़ रु. होगी। इस निर्माण लागत का उचित मूल्य 200 करोड़ रु. है। आईजीएएपी के अंतर्गत, कंपनी ने उक्त प्रोजेक्ट पर हुए खर्च को एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में दर्ज किया है।

आपको इन प्रश्नों का उत्तर देना है:

- लागू भारतीय लेखा मानक के अनुसार लुधियाना-चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे का वर्गीकरण क्या है? संक्षिप्त तर्क देते हैं।
 - लागू भारतीय लेखा मानक के अनुसार बेंगलुरु-चेन्नई एक्सप्रेसवे का वर्गीकरण क्या है? संक्षिप्त तर्क देते हैं।
 - उपरोक्त 2 परियोजना के लिए प्रासंगिक भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड के अनुसार वित्तीय विवरण तैयार करने की लेखांकन प्रविष्टियाँ क्या-क्या होनी चाहिए? **(10 अंक)**
- (ग) एक कंपनी उत्पाद A की बिक्री के लिए 10,000 रुपए का एक अनुबंध करती है। अनुबंध के भाग के रूप में, कंपनी ग्राहक को अगले 30 दिनों के लिए 8,000 रु. तक के भविष्य की किसी भी खरीदारी पर 40% डिस्काउंट वाउचर देती है। सीज़नल प्रमोशन के तहत कंपनी अगले 30 दिनों के लिए सभी बिक्री पर 10% डिस्काउंट देती है। 40% डिस्काउंट वाउचर के साथ 10% डिस्काउंट का उपयोग नहीं किया जा सकता।

कंपनी का मानना है कि इस बात की 75% संभावना है कि ग्राहक वाउचर को भुनाएगा और औसतन ग्राहक 5,000 रुपये के अतिरिक्त उत्पाद खरीदेगा।

आपको यह पता लगाना है कि कंपनी के पास उनके स्टैंड-अलोन विक्रय मूल्य और आवंटित लेनदेन मूल्य के साथ कितने निष्पादन दायित्व हैं? **(4 अंक)**

उत्तर

(क) माल की बिक्री से प्राप्त राजस्व को प्राप्त या प्राप्य प्रतिफल के उचित मूल्य माना जाएगा। प्रतिफल का उचित मूल्य ब्याज की लागू दर का उपयोग करते हुए भविष्य की सभी प्राप्तियों को भुनाकर निर्धारित किया जाता है, जहाँ प्राप्त को सामान्य क्रेडिट शर्तों से परे आस्थगित कर दिया जाता है। उचित मूल्य और प्रतिफल की नाममात्र राशि के बीच के अंतर को ब्याज राजस्व के रूप में माना जाता है। इसलिए, अकाउंटेंट द्वारा 7,50,000 रु. का मान्य राजस्व का अकाउंटिंग ट्रीटमेंट सही नहीं है।

बिक्री की तिथि पर मान्यता दी जाने वाले माल की बिक्री के प्रतिफल के उचित मूल्य (नकद मूल्य समतुल्य) की गणना इस प्रकार की जानी चाहिए:

अवधि	प्रतिफल (किस्त)	वर्तमान मूल्य घटक	प्रतिफल का वर्तमान मूल्य
	₹		₹
बिक्री का समय	2,50,000	-	2,50,000
पहले वर्ष का अंत	2,50,000	0.949	2,37,250
दूसरे वर्ष का अंत	<u>2,50,000</u>	0.901	<u>2,25,250</u>
	<u>7,50,000</u>		<u>7,12,500</u>

मोहन लिमिटेड माल की बिक्री और वित्त आय से होने वाले राजस्व को इस प्रकार मानेगा:

विवरण		₹	₹
माल की बिक्री की शुरुआती मान्यता			
नकद / बैंक खाता	नामे	2,50,000	
व्यापार प्राप्य खाता	नामे	4,62,500	
बिक्री खाते के लिए			7,12,500
<i>ब्याज व्यय और दूसरी किस्त की पावती की मान्यता</i>			
नकद / बैंक खाता	नामे	2,50,000	
ब्याज आय खाते में (4,62,500 x 5.358%)			24,781
प्राप्य ट्रेड खाते में			2,25,219

ब्याज व्यय और अंतिम किस्त के भुगतान की मान्यता		
नकद / बैंक खाता	नामे	2,50,000
ब्याज आय खाते में (बैलेंसिंग आंकड़ा)		12,719
प्राप्य ट्रेड खाते में (4,62,500 - 2,25,319)		2,37,281

लाभ एवं हानि का विवरण (उद्धरण)

31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2023 को
	₹	₹
आय		
माल की बिक्री	7,12,500	-
अन्य आय (वित्त आय)	24,781	12,719

31 मार्च 2022 और 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बैलेंस शीट (उद्धरण)

	31 मार्च 2022 को	31 मार्च 2023 को
	₹	₹
परिसंपत्तियाँ		
चालू परिसंपत्तियाँ		
वित्तीय परिसंपत्तियाँ		
व्यापार प्राप्तियाँ	2,37,281	XXX

(ख) (i) परियोजना 1: लुधियाना - चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे टोल प्रोजेक्ट

यहाँ ऑपरेटर को अनुदानदाता से नकद प्राप्त करने का संविदात्मक अधिकार है। आमतौर पर अनुदानदाता के पास भुगतान से बचने के लिए थोड़ा, यदि कोई हो, विवेकाधिकार होता है, क्योंकि समझौता कानून द्वारा लागू करने योग्य होता है। ऑपरेटर को नकद प्राप्त करने का बिना शर्त अधिकार है यदि अनुदानदाता ऑपरेटर को भुगतान करने की अनुबंधित आश्वासन देता है। इसलिए, ऑपरेटर किसी वित्तीय संपत्ति को उस हद तक मान्यता देता है, जिस हद तक उसके पास नकद प्राप्त करने का एक संविदात्मक अधिकार है।

(ii) परियोजना 2: बैंगलुरु - चेन्नई एक्सप्रेसवे टोल प्रोजेक्ट

यहाँ ऑपरेटर को सार्वजनिक सेवाओं के उपयोगकर्ता से शुल्क लेने का संविदात्मक अधिकार है। सार्वजनिक सेवा के उपयोगकर्ताओं से शुल्क लेने का अधिकार नकद प्राप्त करने का बिना शर्त अधिकार नहीं है क्योंकि राशियाँ इस बात पर निर्भर करती हैं कि लोग किस सीमा तक सेवा का उपयोग करती हैं। इसलिए, ऑपरेटर सार्वजनिक सेवा के उपयोगकर्ताओं से शुल्क लेने के लिए अधिकार (लाइसेंस) प्राप्त करने की सीमा तक एक अमूर्त संपत्ति की पहचान करेगा।

(iii) वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए लेखांकन प्रविष्टियाँ

लुधियाना - चंडीगढ़ एक्सप्रेसवे टोल प्रोजेक्ट

जर्नल प्रविष्टियाँ

	विवरण	नामे (करोड़ रु. में)	जमा (करोड़ रु. में)
1	निर्माण के दौरान: वित्तीय परिसंपत्ति खाता नामे निर्माण राजस्व के लिए (निर्माण सेवाओं से संबंधित राजस्व को मान्यता देने के लिए, जिसे नकद में निपटान किया जाना है)	220	220
2	निर्माण की लागत (लाभ या हानि) जमा बैंक खाते में (खर्च होने पर) (निर्माण सेवाओं से संबंधित लागत का पता लगाने के लिए)	200	200
3	परिचालन अवधि के दौरान: वित्तीय परिसंपत्ति नामे वित्त राजस्व के लिए (प्राप्त होने पर या प्राप्त होने वाला) (वित्तीय परिसंपत्ति मॉडल के तहत ब्याज आय का पता लगाने के लिए)	30	30

4	वित्तीय परिसंपत्ति राजस्व के लिए [(350-220) - 30] (परिचालन अवधि से संबंधित लागत का पता लगाने के लिए)	नामे	100	100
5	बैंक खाता वित्तीय परिसंपत्ति के लिए (अनुदानदाता से प्राप्त नकद का पता लगाने के लिए)	जमा	350	350

बैंगलुरु - चेन्नई ऐक्सप्रेसवे टोल प्रोजेक्ट

जर्नल प्रवष्टियाँ

	विवरण	नामे (करोड़ रु. में)	जमा (करोड़ रु. में)
1	निर्माण के दौरान: निर्माण की लागत (लाभ या हानि) बैंक खाते में (खर्च होने पर) (निर्माण सेवाओं से संबंधित लागत का पता लगाने के लिए)	नामे 150	150
2	अमूर्त परिसंपत्ति राजस्व के लिए (गैर-नकदी प्रतिफल के लिए प्रदान की गई निर्माण सेवाओं से संबंधित राजस्व को मान्यता देने के लिए)	जमा 200	200
3	परिचालन अवधि के दौरान: परिशोधन व्यय अमूर्त परिसंपत्ति के लिए (संचित परिशोधन) (परिचालन अवधि के दौरान परिचालन अवस्था से संबंधित परिशोधन लागत का पता लगाने के लिए)	नामे 200	200

4	बैंक खाता राजस्व के लिए (परिचालन अवधि से संबंधित लागत का पता लगाने के लिए)	डेबिट	?	?
---	--	-------	---	---

नोट: प्रविष्टि 4 में राशि को खाली रखा गया है क्योंकि प्रश्न में इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

- (ग) चूंकि सभी ग्राहकों को अगले 30 दिनों के दौरान खरीदारी पर 10% की छूट मिलेगी, इसलिए ग्राहक को अहम अधिकार प्रदान करने वाली एकमात्र अतिरिक्त छूट खरीदे गए उत्पादों पर 30% की वृद्धिशील छूट है। कंपनी उत्पाद A की बिक्री के लिए अनुबंध में एक अलग निष्पादन दायित्व के रूप में वृद्धिशील छूट प्रदान करने के आश्वासन के लिए जिम्मेदार है। कंपनी का मानना है कि इस बात की 75% संभावना है कि ग्राहक वाउचर को भुनाएगा और औसतन ग्राहक 5,000 रुपये के अतिरिक्त उत्पाद खरीदेगा। परिणामस्वरूप, डिस्काउंट वाउचर की कंपनी की अनुमानित स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य 1,125 रु. है (5,000 रु. अतिरिक्त खरीदारी मूल्य x 30% वृद्धिशील छूट x विकल्प चुनने की संभावना 75%) उत्पाद A की स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य और डिस्काउंट वाउचर और 10,000 रु. लेनदेन कीमत का परिणामी आवंटन इस प्रकार है:

निष्पादन देनदारियाँ	स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य
उत्पाद A	₹ 10,000
डिस्काउंट वाउचर	₹ 1,125
कुल	₹ 11,125

निष्पादन देनदारियाँ		आवंटित लेनदेन मूल्य (समीपवर्ती रु. में)
उत्पाद A	$[(₹ 10,000 \div ₹ 11,125) \times ₹ 10,000]$	₹ 8,989
डिस्काउंट वाउचर	$[(₹ 1,125 \div ₹ 11,125) \times ₹ 10,000]$	₹ 1,011
कुल		₹ 10,000

कंपनी उत्पाद A को 8,989 रु. आवंटित करती है और नियंत्रण हस्तांतरित होने पर उत्पाद A के लिए राजस्व की पहचान करती है। कंपनी डिस्काउंट वाउचर को 1,011 रु. आवंटित

करती है और ग्राहक द्वारा वाउचर को रिडीम करने पर या इसके ऐक्सपायर हो जाने पर वाउचर के लिए राजस्व की पहचान करती है।

प्रश्न 3

(क) वायलेट लिमिटेड एक बिबरेज निर्माण कंपनी है जिसके पूरे भारत में अनेक संयंत्र हैं। सूरत के संयंत्र में मशीनरी A है जिसका उपयोग बॉटलिंग के लिए किया जाता है। एक और मशीनरी है जो मशीनरी B है जिसे मशीनरी A के साथ जोड़ा गया है। मशीनरी A का अपना अलग आउटपुट हो सकता है और इसे खुले बाजार में स्वतंत्र रूप से बेचा जा सकता है। मशीनरी B को अलग से नहीं बेचा जा सकता है और मशीनरी A के साथ जोड़े बिना यह उत्पादन भी नहीं कर सकती है। कंपनी इस परिसंपत्ति समूह को कैश जेनरेटिंग यूनिट और एक इंवेन्ट्री के रूप में देखती है जिसकी कीमत 1.65 लाख रु. है और इस सीजीयू में 1.50 लाख रु. का गुडविल शामिल है।

मशीनरी A को 1 अप्रैल 2016 को 12 लाख रु. में खरीदा गया था और अवशिष्ट मूल्य 60 हजार रु. है। मशीनरी B को 1 अप्रैल 2018 को 5 लाख रु. में खरीदा गया था और इसका कोई अवशिष्ट मूल्य नहीं है। मशीन A और B दोनों का उपयोगी जीवन 10 वर्ष है। कंपनी को मशीनरी A से अगले 5 वर्षों में निम्नलिखित नकदी प्रवाह की उम्मीद है। कंपनी की वृद्धिशील उधार दर 10% प्रति वर्ष है।

वर्ष	मशीनरी ए से नकद प्रवाह
1	2,00,000
2	1,50,000
3	1,00,000
4	1,50,000
5	<u>1,00,000</u> (अवशिष्ट मूल्य को छोड़कर)
कुल	<u>7,00,000</u>

31 मार्च, 2021 को, पेशेवर मूल्यांककों ने अनुमान लगाया है कि मशीनरी A का वर्तमान बाजार मूल्य 8.5 लाख रुपये है। खरीदार को देने से पहले मशीनरी को डिस्मैटल करना होगा। डिस्मैटल करने की लागत 1.60 लाख रु. है। स्पेशलाइज्ड पैकेजिंग की लागत 30,000 रु. है और कानूनी शुल्क 68,000 रु. होगा।

इंवेन्ट्री का मूल्यांकन भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 2 के अनुसार किया गया है। सीजीयू का रिकवर करने योग्य मूल्य 31 मार्च 2021 तक 10 लाख रु. है। अगले वर्ष, कंपनी ने सीजीयू

की रिकवर करने की क्षमता का आकलन किया और पाया कि ऐसे सीजीयू का मूल्य 31 मार्च, 2022 को 11 लाख रु. है। 1 मार्च 2022 को मशीनरी A का रिकवर करने योग्य मूल्य 5,50,000 रु. है और मशीनरी A और मशीनरी B को मिलाकर 8,00,000 रु. है।

आपको:

- (i) 31 मार्च, 2021 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए क्षतिग्रस्तता हानि शुल्क लगाने के बाद सीजीयू पर क्षतिग्रस्तता हानि की गणना करनी है और ऐसी गणना पर पहुंचने के लिए सभी प्रासंगिक कार्य नोट प्रदान करना है।
- (ii) उपरोक्त परिसंपत्तियों पर वर्ष 2021-2022 के लिए संभावित मूल्यहास पर विचार करने के बाद वहन मूल्य की गणना करनी है।
- (iii) 31 मार्च 2022 को सीजीयू के वहन मूल्य की गणना करनी है।

(*नोट: गणना करने के उद्देश्य से 1 रु. वर्तमान वैल्यू फैक्टर को 4 दशमलव तक लेना चाहिए)

(8 अंक)

(ख) नीचे 31.3.2022 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए भारतीय लेखा मानक के अनुसार न्यू एज़ लिमिटेड का संक्षिप्त लाभ-हानि विवरण दिया गया है:

विवरण	₹ लाख में
परिचालन से राजस्व	1,450.00
अन्य आय	70.00
(क) कुल आय	1,520.00
ट्रेड में स्टॉक की खरीदारी	50.00
ट्रेड में स्टॉक की इन्वेंट्रीज़ में बदलाव	20.00
कर्मचारी लाभ व्यय	145.00
वित्त लागत	180.00
अन्य व्यय	375.00
(ख) कुल व्यय	770.00
(ग) कर से पहले लाभ (क - ख)	750.00
(घ) मौजूदा कर व्यय	211.65
(ड) कर के बाद का लाभ (ग-घ)	538.35

अतिरिक्त जानकारी:

- (1) मान लें कि भारत में न्यू एज़ लिमिटेड के लिए लागू आयकर दर 30% है।
- (2) 'अन्य व्यय' में निम्नलिखित व्यय आते हैं जिन्हें आयकर के उद्देश्य से नहीं घटाया जाता है:

(i) जुर्माने	₹ 1.50 लाख
(ii) डोनेशन	₹ 55.00 लाख
(iii) गुडविल की क्षतिग्रस्तता	₹ 7.00 लाख
- (3) 'अन्य व्यय' में वैज्ञानिक अनुसंधान पर होने वाले 10 लाख रु. का खर्च भी शामिल है जिसमें से आयकर कानून के अंतर्गत 150% भारत कटौती उपलब्ध है।
- (4) 'अन्य व्यय' में शामिल है:
 - (i) 5 लाख रु. का लाभांश, जिसपर टैक्स नहीं लगता।
 - (ii) 12 लाख रु. का दीर्घकालिक पूंजी लाभ जिसपर 10% की दर से टैक्स लगता है।
- (5) 'कर से पहले के 750 लाख रु. के लाभ' में शामिल है:
 - (i) 65 लाख रु. की कृषि आय जिसपर टैक्स नहीं लगता; और
 - (ii) यूएसए में अर्जित 75 लाख रु. की आय जिसपर न्यू एज़ लिमिटेड ने 20% की दर से टैक्स चुकाया है।

न्यू एज़ लिमिटेड के वित्तीय विवरणों की समीक्षा करने के दौरान, सीएफओ ने टैक्स से पहले के लाभ को आयकर की दर से गुणा किया जो कर व्यय के रूप में 225 लाख रु. हुआ। हालांकि, संक्षिप्त लाभ-हानि विवरण में वास्तविक आय कर व्यय 211.65 लाख रु. है।

आपको कर व्यय राशि के अंतर का समाधान करने के लिए कंपनी के सीएफओ की मदद करनी है। (6 अंक)

- (ग) किसी संपत्ति की पहचान के लिए वित्तीय प्रतिवेदन के लिए अवधारणागत रूपरेखा में मानदंडों की व्याख्या करें और इस बात पर चर्चा करें कि क्या भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 38 के मानदंड में विसंगतियां हैं। (6 अंक)

अथवा

एकीकृत प्रतिवेदन रूपरेखा में परिभाषित पूंजी की श्रेणियों का उल्लेख करें। क्या कोई प्रबंधन टिप्पणी या अन्य प्रतिवेदन तैयार करने के लिए स्थानीय कानूनों की अपेक्षाओं के अनुपालन में एकीकृत प्रतिवेदन तैयार की जा सकती है? (6 अंक)

उत्तर

(क) (i) क्षतिग्रस्तता हानि के बाद सीजीयू में प्रत्येक परिसंपत्ति के क्षतिग्रस्तता हानि और वहन मूल्य की गणना

(क) क्षतिग्रस्तता से पहले मशीनरी ए और बी के वहन मूल्य की गणना

मशीनरी ए		
लागत	(क)	₹ 12,00,000
अवशिष्ट मूल्य		₹ 60,000
उपयोगी जीवन		10 वर्ष
पहले बीता हुआ उपयोगी जीवन		5 वर्ष
वार्षिक मूल्यहास	(ख)	₹ 1,14,000
31 मार्च 2021 तक डब्लूडीवी [A- (B x 5)]		₹ 6,30,000
मशीनरी बी		
लागत	(ग)	₹ 5,00,000
अवशिष्ट मूल्य		-
उपयोगी जीवन		10 वर्ष
पहले बीता हुआ उपयोगी जीवन		3 वर्ष
वार्षिक मूल्यहास	(घ)	₹ 50,000
31 मार्च 2021 तक डब्लूडीवी [C- (D x 3)]		₹ 3,50,000

(ख) मशीनरी ए के उपयोग मूल्य की गणना

अवधि	नकद प्रवाह (₹)	पीवीएफ@10%	पीवी
1	2,00,000	0.9091	1,81,820
2	1,50,000	0.8264	1,23,960
3	1,00,000	0.7513	75,130
4	1,50,000	0.6830	1,02,450
5	1,00,000	0.6209	62,090
5	60,000	0.6209	37,254
उपयोग में मूल्य			5,82,704

(ग) मशीनरी ए के निपटान की लागत को घटाकर उचित मूल्य की गणना

	₹
उचित मूल्य	8,50,000
घटाएँ: डिस्मैटल करने की लागत	(1,60,000)
पैकेजिंग की लागत	(30,000)
कानूनी शुल्क	(68,000)
उचित मूल्य घटाव निपटान खर्च	5,92,000

(घ) मशीनरी ए पर क्षतिग्रस्तता हानि की गणना

	₹
वहन मूल्य	6,30,000
घटाएँ: रिकवर किए जाने योग्य मूल्य अर्थात् उपयोग मूल्य से अधिक (₹. 5,82,704) और उचित मूल्य घटाव निपटान खर्च (₹. 5,92,000)	(5,92,000)
क्षतिग्रस्तता हानि	38,000

(ङ) सीजीयू पर क्षतिग्रस्तता हानि की गणना

1. पहले गुडविल पूरी तरह से बिगड़ जाएगा और फिर सीजीयू की शेष क्षतिग्रस्तता हानि मशीनरी ए और मशीनरी बी को आवंटित की जाएगी।
2. सीजीयू की ₹. 2,95,000 की कुल क्षतिग्रस्तता हानि से ₹. 1,50,000 का गुडविल मूल्य घटाने के बाद, शेष क्षतिग्रस्तता हानि ₹. 1,45,000 होगी। यदि हम प्रो-रेटा के आधार पर मशीनरी ए और बी को शेष क्षतिग्रस्तता हानि आवंटित करें, तो यह राशि होगी मशीनरी ए पर 93,214 रुपए। हालांकि, मशीनरी 93,214 की क्षतिग्रस्तता हानि 38,000 रु. से अधिक नहीं हो सकती क्योंकि इसका रिकवर करने योग्य मूल्य 5,92,000 रुपए है। इसलिए, सीजीयू की क्षतिग्रस्तता हानि इस प्रकार होगी:

	क्षतिग्रस्तता हानि से पहले वहन मूल्य	क्षतिग्रस्तता हानि	क्षतिग्रस्तता हानि से बाद वहन मूल्य
	₹	₹	₹
मशीनरी ए	6,30,000	38,000	5,92,000
मशीनरी बी	3,50,000	1,07,000*	2,43,000
इंवेंट्री	1,65,000	-	1,65,000
गुडविल	1,50,000	1,50,000	-
कुल	12,95,000	2,95,000	10,00,000

* बैलेंसिंग आंकड़ा।

(ii) वर्ष 2021-2022 के अवमूल्यन के समायोजन के बाद वहन मूल्य

	₹
मशीनरी ए $[5,92,000 - \{(5,92,000 - 60,000)/5\}]$	4,85,600
मशीनरी बी $[2,43,000 - (2,43,000/7)]$	2,08,286
इंवेंट्री	1,65,000
गुडविल	-
कुल	8,58,886

(ग) 31 मार्च 2022 को सीजीयू के वहन मूल्य की गणना

सीजीयू का संशोधित मूल्य 11 लाख रु. है। हालांकि, बिगड़े हुए गुडविल को फिर से ठीक नहीं किया जा सकता। इसके अलावा, व्यक्तिगत परिसंपत्तियों में निचले रिकवरी योग्य मूल्य या वहन मूल्य से ऊपर वृद्धि नहीं हो सकती यदि परिसंपत्तियाँ कभी भी इम्पेयर्ड नहीं हुई हों।

तदनुसार, 31 मार्च 2022 को वहन मूल्य, यह मानकर कि कभी भी इम्पेयर्ड नहीं हुआ, इस प्रकार होगा:

	वहन मूल्य	पुनर्प्राप्त करने योग्य मूल्य	31 मार्च 2022 को अंतिम सीवी
मशीनरी ए	[12,00,000 - (1,14,000 x 6)] 5,16,000	5,50,000	5,16,000
मशीनरी बी	[5,00,000 - (50,000x4)] 3,00,000	(8,00,000 - 5,50,000) 2,50,000	2,50,000
इंवेट्री	1,65,000*	1,65,000*	1,65,000*
गुडविल	-	-	-
कुल	9,81,000	9,65,000	9,31,000

इसलिए, वापस होने वाली इम्पेयर्ड हानि केवल 72,114 रु. तक सीमित होगी (रु. 9,31,000 - रु. 8,58,886)।

*नोट: 31 मार्च 2022 के अंत में सीजीयू के आवश्यक मूल्यांकन का प्रश्न, जिसके लिए इन्वेट्री मूल्य की आवश्यकता थी। 31 मार्च 2022 को अंत होने वाले वर्ष के लिए इन्वेट्री मूल्य की अनुपस्थिति में, यह माना जाता है कि 31 मार्च 2022 को अंत होने वाले वर्ष के लिए इन्वेट्री मूल्य उतना ही होगा जितना यह 31 मार्च 2021 को अंत होने वाले वर्ष के लिए था।

(ख) 31 मार्च 2022 को अंत होने वाले वर्ष के लिए अकाउंटिंग लाभ के अनुसार आयकर व्यय और मौजूदा टैक्स का समाधान

विवरण	₹ लाख में
अकाउंटिंग लाभ	<u>750.00</u>
30% के लागू दर पर टैक्स	225.00

करयोग्य लाभ के निर्धारण में व्ययों के टैक्स प्रभाव की कटौती नहीं की जाती है:		
जुर्माना (1.5 x 30%)	0.45	
गुडविल की क्षतिग्रस्तता (7 x 30%)	2.10	
डोनेशन (55 x 30%)	<u>16.50</u>	19.05
करयोग्य लाभ के निर्धारण में व्ययों के टैक्स प्रभाव की कटौती की जाती है:		
वैज्ञानिक अनुसंधान पर व्यय (10.00 x 50% x 30%)		(1.50)
करयोग्य लाभ के निर्धारण में आय के टैक्स प्रभाव की छूट दी जाती है:		
लाभांश आय (छूट) (5.00 x 30%)	1.50	
कृषि आय (छूट) (65.00 x 30%)	<u>19.50</u>	(21.00)
आय का टैक्स प्रभाव जिसपर करयोग्य लाभों के निर्धारण के लिए अलग-अलग टैक्स रेट का उपयोग किया जाता है:		
दीर्घकालिक पूंजी लाभ पर विभेदक आयकर [12.00 x (30% - 10%)]	2.40	
यूएसए में विदेशी आय [75.00 x (30% - 20%)]	<u>7.50</u>	<u>(9.90)</u>
मौजूदा वर्ष के लिए लाभ-हानि विवरण में रिपोर्ट किया गया आयकर व्यय (करंट)		<u>211.65</u>

(ग)

अन्यतर

अवधारणागत रूपरेखा किसी परिसंपत्ति को अतीत की घटनाओं के परिणाम के रूप में संस्था द्वारा नियंत्रित वर्तमान आर्थिक संसाधन के रूप में परिभाषित करती है। आर्थिक संसाधन एक ऐसा अधिकार है जिसमें आर्थिक लाभ उत्पन्न करने की क्षमता होती है। परिसंपत्तियों को तभी मान्यता दी जानी चाहिए यदि वे परिसंपत्ति की अवधारणागत रूपरेखा की परिभाषित के अनुरूप हो और ऐसी मान्यता से वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को उपयोगी जानकारी प्राप्त हो जैसे कि यह प्रासंगिक हो और प्रस्तुति भरोसेमंद हो। हालांकि, लागत-लाभ विश्लेषण का मानदंड हमेशा विद्यमान होता है अर्थात् ऐसी जानकारी प्रदान करने की लागतों को सही ठहराने के लिए सूचना का लाभ पर्याप्त होना चाहिए।

अवधारणागत रूपरेखा में उल्लिखित मान्यता मानदंड से मानकों को संशोधित करने या विकसित करने के अनुप्रयोग में लचीलेपन की सुविधा मिलती है।

भारतीय लेखा मानक 38 'अमूर्त संपत्ति' का पैरा 8 में भौतिक पदार्थ के बिना किसी पहचान योग्य गैर-मौद्रिक परिसंपत्ति के रूप में एक अमूर्त संपत्ति को परिभाषित किया गया है। इसके अलावा, भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 38 में किसी परिसंपत्ति को एक संसाधन के रूप में परिभाषित किया गया है:

(क) पिछली घटनाओं के परिणामस्वरूप किसी संस्था द्वारा नियंत्रित; और

(ख) जिससे भविष्य के आर्थिक लाभ का प्रवाह संस्था की ओर हो।

इसके अलावा, भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 38 के पैरा 21 के अनुसार अमूर्त परिसंपत्तियों को मान्यता दी जाएगी यदि, और केवल यदि:

(क) इस बात की संभावना हो कि अपेक्षित भविष्य के आर्थिक लाभों, जो परिसंपत्ति से संबंधित हों, का प्रवाह संस्था की ओर हो; और

(ख) परिसंपत्ति की लागत का मूल्यांकन भरोसेमंद तरीके से किया जा सके।

यह अपेक्षा बाह्य रूप से अधिग्रहीत अमूर्त परिसंपत्ति या आंतरिक रूप से उत्पन्न अमूर्त परिसंपत्ति दोनों मामले में लागू होती है। भविष्य के अपेक्षित आर्थिक लाभों की संभावना उचित और समर्थन योग्य धारणाओं पर आधारित होनी चाहिए जो परिसंपत्ति के उपयोगी जीवन पर मौजूद आर्थिक स्थितियों के सेट के प्रबंधन के सर्वोत्तम आकलन का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसके अलावा, भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 38 के पैरा 33 के अनुसार, संभाव्यता मान्यता मानदंड को व्यावसायिक संयोजनों में अधिग्रहीत अमूर्त परिसंपत्ति के लिए हमेशा पूर्ण माना जाता है। यदि मान्यता मानदंड पूर्ण नहीं हैं, तो भारतीय लेखा मानक 38 के लिए व्यय की आवश्यकता होती है जब इसे खर्च किया जाता है।

यह ध्यान देने योग्य है कि अवधारणागत रूपरेखा में 'संभाव्यता मानदंड' का वर्णन नहीं किया गया है। जब तक कम संभावना के साथ भी आर्थिक लाभ उत्पन्न करने की क्षमता है, तब तक किसी वस्तु को अवधारणागत रूपरेखा के अनुसार परिसंपत्ति के रूप में मान्यता दी जा सकती है। हालांकि, अमूर्त परिसंपत्ति के अर्थ में, यह तर्क दिया जा सकता है कि आर्थिक लाभ उत्पन्न करने की कम संभावना वाली अमूर्त परिसंपत्ति को मान्यता प्रदान करना वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं के लिए उपयोगी नहीं होगा, क्योंकि परिसंपत्ति में कोई भौतिक पदार्थ नहीं है।

भारतीय लेखा मानक 38 के तहत किसी परिसंपत्ति की मान्यता मानदंड और परिभाषा अवधारणागत रूपरेखा में वर्णित मान्यता मानदंड और परिभाषा की तुलना में भिन्न हैं।

आसान शब्दों में कहें तो, भारतीय लेखा मानक 38 में मानदंड अधिक विशिष्ट हैं, लेकिन निश्चित रूप से प्रासंगिक और विश्वसनीय प्रतिनिधित्व वाली जानकारी प्रदान करते हैं। जब प्रासंगिकता और विश्वासयोग्य प्रतिनिधित्व के दृष्टिकोण से देखा जाता है, तो ऐसा लगता है कि मान्यता के मामले में भारतीय लेखा मानक 38 की अपेक्षाएं अवधारणागत रूपरेखा के अनुरूप हैं।

(ग)

या

एकीकृत रिपोर्टिंग फ्रेमवर्क में पूंजी को 6 मुख्य रूपों में वर्गीकृत किया गया है। हालांकि, साथ ही, यह इस बात पर जोर देता है कि जरूरी नहीं है कि संस्थाओं द्वारा अपनी एकीकृत रिपोर्टिंग में पूंजी के समान वर्गीकरण का पालन किया जाए।

1. **वित्तीय पूंजी:** वस्तुओं के उत्पादन में उपयोग हेतु किसी संगठन के लिए उपलब्ध धन या वित्तपोषण के माध्यम से प्राप्त सेवाओं के प्रावधान, जैसे ऋण, इक्विटी या अनुदान; या संचालन या निवेश के माध्यम से अर्जित धन।
2. **निर्मित पूंजी:** विनिर्मित भौतिक वस्तुएँ (प्राकृतिक भौतिक वस्तुओं से अलग) जो किसी संगठन के लिए वस्तुओं के उत्पादन या सेवाओं के प्रावधान में उपयोग के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें भवन, उपकरण और आधारभूत ढांचे (जैसे सड़कें, बंदरगाह, पुल और अपशिष्ट एवं जल उपचार संयंत्र शामिल हैं)।
3. **बौद्धिक पूंजी:** बौद्धिक संपदा सहित संगठनात्मक, ज्ञान-आधारित अमूर्त, जैसे पेटेंट, कॉपीराइट, सॉफ्टवेयर, अधिकार और लाइसेंस और संगठनात्मक पूंजी जैसे निहित ज्ञान, सिस्टम, प्रक्रियाएँ और प्रोटोकॉल।
4. **मानव पूंजी:** लोगों की क्षमताएं, दक्षताएं और अनुभव, और नवाचार करने के लिए उनकी प्रेरणा, प्रक्रियाओं, वस्तुओं और सेवाओं में सुधार के लिए उनकी ईमानदाई और प्रेरणाओं सहित नेतृत्व, प्रबंधन और सहयोग करने की उनकी क्षमता।
5. **सामाजिक और संबंध पूंजी:** संस्थानों और समुदायों के भीतर और उनके बीच के संबंध, हितधारकों के समूह और अन्य नेटवर्क, और व्यक्तिगत और सामूहिक कल्याण को बढ़ाने के लिए जानकारी साझा करने की क्षमता।
6. **प्राकृतिक पूंजी:** सभी नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय पर्यावरणीय संसाधन और प्रक्रियाएं जो वस्तु या सेवाएं प्रदान करती हैं जो किसी संगठन की अतीत, वर्तमान या भविष्य की समृद्धि में सहायक होती हैं।

मौजूदा अनुपालन अपेक्षाओं के अनुरूप एक एकीकृत रिपोर्ट तैयार की जा सकती है। उदाहरण के लिए, किसी संगठन को स्थानीय कानून द्वारा प्रबंधन टिप्पणी या अन्य रिपोर्ट तैयार करने की आवश्यकता हो सकती है जो उसके वित्तीय विवरणों के लिए संदर्भ प्रदान करती हो। यदि वह रिपोर्ट भी इस रूपरेखा के अनुसार तैयार की जाती है, तो इसे एक एकीकृत रिपोर्ट माना जा सकता है। यदि रिपोर्ट में इस रूपरेखा द्वारा आवश्यक जानकारी से परे निर्दिष्ट जानकारी को शामिल करना आवश्यक है, तो रिपोर्ट को अभी भी एक एकीकृत रिपोर्ट माना जा सकता है यदि वह अन्य जानकारी इस रूपरेखा द्वारा अपेक्षित संक्षिप्त जानकारी को अधूरा नहीं बनाती हो।

प्रश्न 4

(क) 1 अप्रैल 2021 को "फॉर्च्युनेट बैंक" ने रु. 25,00,000 की ऋण राशि मोहन लिमिटेड को 4 वर्ष के लिए 10% वार्षिक ब्याज दर पर दी और मोहन लिमिटेड की होल्डिंग कंपनी सूर्या लिमिटेड ने ऋण की गारंटी ली। ब्याज का भुगतान वर्ष के अंत में किया जाता है और मूलधन ऋण अवधि के अंत में चुकाया जाता है। यदि सूर्या लिमिटेड ने गारंटी नहीं दी होती, तो 'फॉर्च्युनेट बैंक' मोहन लिमिटेड से 14% प्रति वर्ष की दर से ब्याज वसूल करता। गारंटी देने के लिए सूर्या लिमिटेड मोहन लिमिटेड से शुल्क नहीं लेती है।

2% संभावना है कि 31 मार्च 2022 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी।

4% संभावना है कि 31 मार्च 2023 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी।

5% संभावना है कि 31 मार्च 2023 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी।

प्रारंभिक मान्यता पर सूर्या लिमिटेड की बही में इंड एस 109 के अनुसार और बाद की अवधि में 31 मार्च, 2024 तक आपको वित्तीय गारंटी के अनुसार लेखांकन उपचार (अकाउंटिंग ट्रीटमेंट) प्रदान करना होगा। (12 अंक)

(ख) 6000 वर्ग मीटर कार्यालय स्थान के लिए लीजदार 10 वर्ष के लिए लीज लेता है। लीज के लिए वार्षिक भुगतान के रूप में प्रत्येक वर्ष के अंत में 1,00,000 रु. देना है। लीज में

उल्लेखित ब्याज दर को तुरंत निर्धारित नहीं किया जा सकता है। आरंभ तिथि पर लीजदार के वर्धनशील ऋण (इनक्रीमेंटल बॉरोइंग) की दर 8% वार्षिक है। 6ठे वर्ष के आरंभ में, लीजदार और लीजदाता 6 वर्ष की पहली तिमाही से मूल स्थान में केवल 3,000 वर्ग मीटर कम करने के लिए मूल लीज में संशोधन हेतु सहमत होते हैं। वार्षिक निर्धारित लीज भुगतान (6ठे वर्ष से 10वें वर्ष तक) रु. 60,000 है। छठे वर्ष की शुरुआत में लीजदार की वर्धनशील ऋण की ब्याज दर 6% वार्षिक है।

उक्त संशोधन के प्रभाव का आपको विश्लेषण करना होगा और लीजदार की बहियों में इसकी जर्नल प्रविष्टियाँ देनी होंगी।

नोट: वर्तमान मूल्य कारक अपनाकर अपनी गणना प्रस्तुत करें:

वर्ष	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
8%	0.9259	0.8573	0.7938	0.7350	0.6806	0.6302	0.5835	0.5403	0.5002	0.4632
6%	0.9434	0.8900	0.8396	0.7921	0.7473	0.7050	0.6651	0.6274	0.5919	0.5584

(8 अंक)

उत्तर

(क) 1 अप्रैल 2021

आरंभ में वित्तीय गारंटी अनुबंध को उचित मूल्य पर मान्यता दी जाती है। गारंटी का उचित मूल्य (फेयर वैल्यू) ऋण के अंतर्गत आवश्यक शुद्ध संविदात्मक नकदी प्रवाह और गारंटी के बिना आवश्यक शुद्ध संविदात्मक नकदी प्रवाह के अंतर का वर्तमान मूल्य होगा।

विवरण	वर्ष 1 (₹)	वर्ष 2 (₹)	वर्ष 3 (₹)	वर्ष 4 (₹)	कुल (₹)
14% की दर पर आधारित नकदी प्रवाह (क)	3,50,000	3,50,000	3,50,000	3,50,000	14,00,000
10% की दर पर आधारित नकदी प्रवाह (ख)	<u>2,50,000</u>	<u>2,50,000</u>	<u>2,50,000</u>	<u>2,50,000</u>	<u>10,00,000</u>
विभेदित दर पर ब्याज (ग)=(क-ख)	1,00,000	1,00,000	1,00,000	1,00,000	4,00,000
डिस्काउंट फैक्टर @ 14%	0.877	0.769	0.675	0.592	
14% की दर से डिस्काउंटेड					

विभेदित दर पर ब्याज	87,700	76,900	67,500	59,200	2,91,300
वित्तीय गारंटीयुक्त संविदा का उचित मूल्य (आरंभ में)					2,91,300

वित्तीय गारंटीयुक्त संविदा के उचित मूल्य की गणना के प्रस्तुतिकरण की वैकल्पिक विधि

(i) ऋण पर ब्याज @ 10% = रु. 2,50,000

14% की गारंटीयुक्त रियायती दर पर ऋण के नकदी प्रवाह का वर्तमान मूल्य

$$= ₹ 2,50,000 \times 2.9138 + ₹ 25,00,000 \times 0.5921$$

$$= ₹ 7,28,450 + ₹ 14,80,250 = ₹ 22,08,700$$

(ii) 14% की सामान्य दर से ऋण पर ब्याज = रु. 3,50,000

ऋण के नकदी प्रवाह का वर्तमान मूल्य 14%

$$= ₹ 3,50,000 \times 2.9138 + ₹ 25,00,000 \times 0.5921$$

$$= ₹ 25,00,080 \text{ या } ₹ 25,00,000$$

अंतर (ii) – (i) = ₹ 25,00,000 - ₹ 22,08,700

वित्तीय गारंटीयुक्त संविदा का उचित मूल्य (आरंभ में) = ₹ 2,91,300

जर्नल प्रविष्टि

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
अनुषंगी कंपनी में निवेश	नामे	2,91,300
वित्तीय गारंटी के लिए (देयता)		2,91,300
(आरंभ में वित्तीय गारंटी का दर्ज होना)		

31 मार्च 2022

उसके बाद, रिपोर्टिंग अवधि के अंत में वित्तीय गारंटी की माप:

- लॉस अलाउंस की राशि के उच्चतर पर; और
- वह राशि जिसे आरंभ में कम संचयी परिशोधन माना गया, जहाँ उपयुक्त हो।

2% संभावना है कि 31 मार्च 2022 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड

को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी। अतः 12-माह की अपेक्षित क्रेडिट लॉस (साख हानि) 50,000 (25,00,000 x 2%) रु. है

दर्शाई गई आरंभिक राशि घटाव परिशोधन 2,32,082 रु. है (नीचे दी गई तालिका देखें)। बकाया राशि को सूर्या लिमिटेड की बहियों में आय के रूप में दिखाया गया है, जो कि मोहन लिमिटेड द्वारा अर्जित लाभ है, जो उक्त अवधि में ऋण पर डिफॉल्ट नहीं करता।

31 मार्च को समाप्त हुआ वर्ष	आरंभिक शेष (क) ₹	ईआईआर @ 14% (ख) = (क x 14%)	प्रदत्त लाभ (ग) ₹	समापन शेष (घ) = (क) + (ख) - (ग) ₹
2022	2,91,300	40,782	(1,00,000)	2,32,082
2023	2,32,082	32,491	(1,00,000)	1,64,573
2024	1,64,573	23,040	(1,00,000)	87,613
2025	87,613	12,387*	(1,00,000)	-

* सन्निकटिकरण के कारण 121 रु. का अंतर (अर्थात् रु. 12,387 - 12,266) है।

इसलिए परिशोधन के बाद वित्तीय गारंटी देयता की अग्रणीत राशि रु. 2,32,082 है, जो 12 महीने के अपेक्षित ऋण (क्रेडिट) घाटे से 50,000 अधिक है। अतः देयता निम्नानुसार रु. 2,32,082 पर समायोजित किया जाता है (जो कि दोनों राशियों में अधिक है):

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
वित्तीय गारंटी (देयता) नामे	59,218	
लाभ एवं हानि के लिए (वित्तीय गारंटी का उसके बाद समायोजन)		59,218

31 मार्च 2023

4% संभावना है कि 31 मार्च 2023 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी। अतः 12-माह की अपेक्षित क्रेडिट लॉस रु. 1,00,000 (रु. (25,00,000 x 4%) है

अतः परिशोधन के बाद वित्तीय गारंटी देयता की अग्रणीत राशि रु. 1,64,573 है, जो 12 महीने के अपेक्षित ऋण (क्रेडिट) घटा रु. 1,00,000 से अधिक है। अतः देयता निम्नानुसार रु. 1,64,573 पर समायोजित किया जाता है (जो कि दोनों राशियों में अधिक है):

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
वित्तीय गारंटी (देयता) नामे	67,509	
लाभ एवं हानि के लिए (वित्तीय गारंटी का उसके बाद समायोजन)		67,509

31 मार्च 2024

5% संभावना है कि 31 मार्च 2024 को, मोहन लिमिटेड अगले 12 महीनों में ऋण पर डिफॉल्ट कर सकता है। यदि मोहन लिमिटेड ऋण पर डिफॉल्ट करता है, तो सूर्या लिमिटेड को मोहन लिमिटेड से कोई राशि मिलने की अपेक्षा नहीं होगी। अतः 12-माह की अपेक्षित क्रेडिट लॉस रु. 1,25,000 (रु. (25,00,000 x 5%) है।

दर्शाई गई आरंभिक राशि घटाव संचयी परिशोधन रु. 87,613 है, जो 12 महीने के अपेक्षित ऋण (क्रेडिट) घटा रु. 1,25,000 से कम है। अतः देयता निम्नानुसार रु. 1,25,000 पर समायोजित किया जाता है (जो कि दोनों राशियों में अधिक है):

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
वित्तीय गारंटी (देयता) नामे	39,573*	
लाभ एवं हानि के लिए (नीचे नोट देखें) (वित्तीय गारंटी का उसके बाद समायोजन)		39,573*

* नोट: 31 मार्च 2023 के अंत में वहन राशि रु. 1,25,000 (अर्थात् रु. 1,64,573 घटाव 12 महीने का अपेक्षित क्रेडिट लॉस (ऋण घटा) रु. 39,573) है।

(ख)

घाटा उठाने वाले की बही में

संशोधन से पहले आरओयू परिसंपत्ति और लीज देयता की गणना: (₹ में)

वर्ष	लीज देयता				आरओयू परिसंपत्ति		
	आरंभिक मूल्य	लीज भुगतान	8% की दर पर ब्याज व्यय	समापन शेष	आरंभिक मूल्य	मूल्यहास	समापन शेष
	a	b	c = a x 8%	d = a-b + c	e	F	g
1	6,71,000 (वर्किंग नोट्स देखें)	1,00,000	53,680	6,24,680	6,71,000	67,100	6,03,900
2	6,24,680	1,00,000	49,974	5,74,654	6,03,900	67,100	5,36,800
3	5,74,654	1,00,000	45,972	5,20,626	5,36,800	67,100	4,69,700
4	5,20,626	1,00,000	41,650	4,62,276	4,69,700	67,100	4,02,600
5	4,62,276	1,00,000	36,982	3,99,258	4,02,600	67,100	3,35,500
6	3,99,258				3,35,500		

संशोधन के प्रभावी दिन (6ठे वर्ष की शुरुआत में), लीजदार निम्नलिखित के आधार पर लीज देयता का पुनः आकलन करता है:

(क) पांच वर्ष की शेष लीज अवधि,

(ख) रु. 60,000 का वार्षिक भुगतान और

(ग) लीजदार की वर्धनशील ऋण की ब्याज दर 6% वार्षिक

वर्ष	लीज भुगतान (A)	6% की दर पर वर्तमान मूल्य कारक (B)	लीज भुगतान का वर्तमान मूल्य (A x B = C)
6	60,000	0.9434	56,604
7	60,000	0.8900	53,400
8	60,000	0.8396	50,376
9	60,000	0.7921	47,526
10	60,000	0.7473	44,838
कुल			2,52,744

उपरोक्त गणना की वैकल्पिक विधि:

$$\begin{aligned} & \text{वार्षिक लीज भुगतान} \times 6\% \text{ की रियायती दर पर 6ठे वर्ष से 10वें वर्ष की पीवीएफ राशि} \\ & = ₹ 60,000 \times 4.2124 = ₹ 2,52,744 \end{aligned}$$

लीजदार शेष आरओयू परिसंपत्ति (अर्थात् मूल आरओयू परिसंपत्ति के 50% के अनुरूप 3,000 वर्ग मीटर) के अनुसार आरओयू परिसंपत्ति की वहन राशि में आनुपातिक हास निर्धारित करता है।

संशोधन-पूर्व आरओयू परिसंपत्ति (₹. 3,35,500) का 50% ₹. 1,67,750 है।

संशोधन-पूर्व आरओयू परिसंपत्ति (₹. 3,99,258) का 50% ₹. 1,99,629 है।

इस तरह, लीजदार आरओयू परिसंपत्ति की अग्रणीत राशि को कम कर ₹. 1,67,750 तक और लीज देयता की अग्रणीत राशि को ₹. 1,99,629 तक ले आता है और आधारभूत देयता (बेस लाएबिलिटी) में हास तथा आरओयू परिसंपत्ति में हास के अंतर (₹. 1,99,629 - ₹. 1,67,750 = ₹. 31,879) को संशोधन के प्रभावी तारीख को (6ठे वर्ष के आरंभ में) लाभ-हानि खाते में आय के रूप में चिह्नित करता है।

जर्नल प्रविष्टि

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
पट्टा देयता	1,99,629	
आरओयू परिसंपत्ति के लिए		1,67,750
लाभ एवं हानि के लिए		31,879

लीज और संशोधित रियायत दर के लिए के लिए भुगतान किए गए मुआवजे में परिवर्तन को दर्शाने वाले आरओयू परिसंपत्ति के समायोजन के रूप में लीजदार ₹. 1,99,629 की लीज देयता के हासित 50% और ₹. 2,52,744 की संशोधित लीज देयता के बीच अंतर की पहचान करता है (जो ₹. 53,115 के बराबर है)।

जर्नल प्रविष्टि

विवरण	नामे (₹)	जमा (₹)
आरओयू परिसंपत्ति	53,115	
पट्टा देयता के लिए		53,115

वर्किंग नोट:

आरओयू परिसंपत्ति और पट्टा देयता के आरंभिक मूल्य की गणना:

वर्ष	लीज भुगतान (A)	6% की दर पर वर्तमान मूल्य कारक (B)	लीज भुगतान का वर्तमान मूल्य (A x B = C)
1	1,00,000	0.9259	92,590
2	1,00,000	0.8573	85,730
3	1,00,000	0.7938	79,380
4	1,00,000	0.7350	73,500
5	1,00,000	0.6806	68,060
6	1,00,000	0.6302	63,020
7	1,00,000	0.5835	58,350
8	1,00,000	0.5403	54,030
9	1,00,000	0.5002	50,020
10	1,00,000	0.4632	46,320
			<u>6,71,000</u>

उपरोक्त गणना की वैकल्पिक विधि:

वार्षिक लीज भुगतान x 8% की रियायती दर पर प्रथम वर्ष से 10वें वर्ष की पीवीएफ राशि
 = ₹ 1,00,000 x 6.71 = ₹ 6,71,000

नोट: मान लें कि संशोधन के बाद भी वार्षिक लीज भुगतान करना वर्ष के अंत में भी जारी रहेगा जैसा कि लीज की मूल शर्तों में उल्लेखित है।

प्रश्न 5

(क) प्रति गाय 500 हजार मूल्य वाली 4 साल आयु की 15 गायों के एक झुंड को 1 अप्रैल 2021 को 'एम डेयरी फार्म' में रखा गया। 1 अक्टूबर, 2021 को निम्नलिखित लेनदेन संपन्न हुआ:

(क) 4.5 वर्ष आयु वाली एक गाय 520 हजार में खरीदी गई।

(ख) एक बछड़ा पैदा हुआ।

वर्ष भर में एक भी गाय न बेची गई न हटाई गई।

प्रति गाय/बछड़ा उचित मूल्य घटाव बिक्री मूल्य इसप्रकार है: ₹ हजार में

1 अप्रैल 2021 को 4 वर्ष आयु की गाय	500
1 अक्टूबर, 2021 को नवजात बछड़ा	400
1 अक्टूबर 2021 को 4.5 वर्ष आयु की गाय	520
31 अक्टूबर, 2022 को नवजात बछड़ा	410
31 मार्च 2022 को 0.5 वर्ष आयु की गाय	440
31 मार्च 2022 को 4 वर्ष आयु की गाय	516
31 मार्च 2022 को 4.5 वर्ष आयु की गाय	540
31 मार्च 2022 को 5 वर्ष आयु की गाय	560

आपको ये करना है:

- (i) निम्नलिखित दर्शाते हुए उचित मूल्य में परिवर्तन घटाव बिक्री मूल्य की गणना:
 - (क) भौतिक परिवर्तन से संबंधित हिस्सा
 - (ख) मूल्य परिवर्तन से संबंधित हिस्सा
- (ii) 31 मार्च 2022 को गायों के समूह की अग्रणीत लागत की गणना करें।
- (iii) 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए पशुधन खाते का सार तैयार करें।

(6 अंक)

- (ख) जैक्सन लिमिटेड विनिर्माण और वाणिज्य के कार्यों में संलग्न है। यह 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए बीते वर्ष के लिए समूह के समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने की प्रक्रिया में है। वर्ष 2021-2022 के दौरान कंपनी ने रु. 2,10,00,000 का मुनाफा (कर पश्चात) कमाया जिसमें से रु. 10,00,000 अथवा गैर-नियंत्रणकारी ब्याज अथवा नॉन-कंट्रोलिंग इंटरैस्ट (एनसीआई) से संबंधित है।

कंपनी के दीर्घकालीन वित्त में शामिल हैं:

- (क) वर्ष के शुरुआत में 1-1 रुपए के 10 करोड़ इक्विटी और आगे कंपनी ने 1 अक्टूबर 2021 को पूर्ण बाजार मूल्य पर 2,50,00,000 शेयर जारी किए।
- (ख) 10-10 रुपए के 40 लाख अप्रतिदेय वरीयता शेयर। ये शेयर 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष की संपूर्ण अवधि के लिए जारी थे। इन प्रीफरेंस शेयर पर लाभांश का भुगतान विवेकाधीन है।

(ग) 1 अप्रैल 2020 को जारी किए गए 6% कनवर्टिबल डिबेंचर के 9 करोड़ रुपए और 31 मार्च 2025 को पुनर्भुगतान योग्य। ब्याज वार्षिक देय है। सममूल्य पर पुनर्भुगतान के वैकल्पिक विधि के रूप में, परिपक्वता पर धारक कंपनी में 5 करोड़ साधारण शेयरों के लिए अपने परिवर्तनीय डिबेंचर का विनिमय कर सकता है। 1 अप्रैल, 2021* को 5 वार्षिक कनवर्टिबल डिबेंचर के लिए प्रचलित बाजार ब्याज दर, जिसका रूपांतरण अधिकार नहीं था, 8% था। 8% के वार्षिक रियायत दर का उपयोग कर वर्तमान में भुगतान योग्य 1 रुपए का मूल्य पांच सालों में 0.68 होता है और 1 रुपए का संचयी वर्तमान मूल्य एक से पांच साल के अंत में 3.99 हो जाता है।

31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष में जैक्सन लिमिटेड ने प्रति शेयर 0.10 का लाभांश घोषित किया।

आपको ये करना है:

- (i) 31 मार्च 2022 को कनवर्टिबल डिबेंचर की वित्त लागत और इसके क्लोजिंग बैलेंस की गणना जिसे समेकित वित्तीय विवरणों में प्रस्तुत करना है।
- (ii) 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्रति शेयर मूल और तरलीकृत आय की गणना। मान लें कि जैक्सन लिमिटेड और उसकी अनुषंगियों के लिए आयकर की लागू दर 30% है। **(8 अंक)**

(ग) सन लिमिटेड ने 1 अप्रैल, 2019 को अपने प्रमुख प्रबंधन कर्मियों (कर्मचारियों) में से एक को नकद या इक्विटी में उपयोग किए जाने योग्य शेयर-आधारित विकल्प जारी किया जिसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं:

विकल्प I

कैश सेटलड शेयरों की संख्या	70,000
सेवा शर्त	3 वर्ष

विकल्प II

100 रु. अंकित मूल्य के इक्विटी सेटलड शेयर की संख्या	80,000
---	--------

* पीएस: 1 अप्रैल 2021 को 1 अप्रैल 2020 पढ़ें।

शर्तें:

सेवा	3 वर्ष
बिक्री प्रतिबंध	2 वर्ष

उचित मूल्य

शेयर वैकल्पिक उचित मूल्य (प्रतिबंध के साथ)	₹ 125
ग्रांट तारीख को उचित मूल्य	₹ 136
31 मार्च 2020 को उचित मूल्य	₹ 141
31 मार्च 2021 को उचित मूल्य	₹ 143
31 मार्च 2022 को उचित मूल्य	₹ 146

यदि 31 मार्च, 2022 के अंत में प्रमुख प्रबंधन कर्मचारी नकद विकल्प का प्रयोग करते हैं और साथ ही यदि वह 31 मार्च, 2022 के अंत में इक्विटी विकल्प का प्रयोग करते हैं, तो आपको जर्नल प्रविष्टियां पास करनी होंगी। **(6 अंक)**

उत्तर

(क) (i) भौतिक परिवर्तन और मूल्य परिवर्तन के कारण उचित मूल्य में परिवर्तन घटाव बिक्री लागत:

₹ हजार में

उचित मूल्य घटाव 1 अप्रैल 2021 झुंड की बिक्री लागत (15 × 500)	7,500
1 अक्टूबर 2021 को खरीदी (1 × 520)	520
(क) उचित मूल्य में वृद्धि घटाव मूल्य परिवर्तन के कारण बिक्री लागत:	
15 गाय x (516- 500)	240
1 गाय x (540 – 520)	20
1 बछड़ा x (410 – 400)	10
	270
(ख) उचित मूल्य में वृद्धि घटाव भौतिक परिवर्तन के कारण बिक्री लागत:	
15 गाय x (560 – 516)	660

1 गाय x (560 – 540)	20	
1 बछड़ा x (440 – 410)	30	
1 बछड़ा x 400 (प्रारंभिक पहचान पर लाभ)	<u>400</u>	<u>1,110</u>
		<u>9,400</u>

(ii) 31 मार्च 2022 को गायों के समूह की अग्रणीत लागत की गणना, अर्थात्

उचित मूल्य घटाव 31 मार्च 2022 को झुंड की बिक्री लागत

16 × 560 8,960

1 × 440 440 9,400

(iii) 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए पशुधन खाते का सार

विवरण	राशि (000 में रुपए)	विवरण	राशि (000 में रुपए)
प्रारंभिक स्टॉक को	7500	समापन शेष से	9,400
खरीद को (1x520)	520		
उचित मूल्य में वृद्धि (मूल्य परिवर्तन)	270		
उचित मूल्य में वृद्धि (भौतिक परिवर्तन)	<u>1,110</u>		<u>—</u>
कुल	<u>9,400</u>	कुल	<u>9,400</u>

(ख) (i) 6% कनवर्टिबल डिबेंचर पर देयता और इक्विटी की गणना:

5वें वर्ष के अंत में भुगतान योग्य मूलधन का वर्तमान मूल्य (रु. 90,000 हजार x 0.68)

= रु. 61,200 हजार

5 वर्ष के लिए भुगतान योग्य ब्याज का वर्तमान मूल्य (रु. 90,000 हजार x 6% x 3.99)

= रु. 21,546 हजार

कुल देयता कंपोनेंट = रु. 82,746 हजार

अतः, इक्विटी कंपोनेंट = रु. 90,000 हजार - रु. 82,746 हजार

= रु. 7,254 हजार

6% कनवर्टिबल डिबेंचर की वित्त लागत और समापन शेष की गणना

वर्ष	आरंभिक शेष '000 में रुपए	8% की दर पर वित्त लागत '000 में रुपए	6% की दर से भुगतान किया गया ब्याज '000 में रुपए	समापन शेष '000 में रुपए
	क	ख = क x 8%	ग	घ = क + ख - ग
31.3.2021	82,746	6,620	5,400	83,966
31.3.2022	83,966	6,717	5,400	85,283

31.3.2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए कनवर्टिबल डिबेंचर की वित्त लागत रु. 6,717 हजार है और 31.3.2022 को समापन शेष रु. 85,283 हजार था।

(ii) (क) आधारभूत ईपीएस की गणना **'000 में रुपए**

मूल कंपनी की वर्ष के दौरान लाभ	20,000
घटाएँ: प्रीफरेंस शेयर पर लाभांश (4000 हजार x रु. 0.10)	<u>(400)</u>
इक्विटी शेयरधारकों के लिए लाभ	<u>19,600</u>

शेयर की भारित औसत संख्या = 10,00,00,000 + {2,50,00,000 x (6/12*)}

= 11,25,00,000 शेयर या 1,12,500 हजार शेयर

मूल ईपीएस = रु. 19,600 हजार / 1,12,500 हजार शेयर

= ₹ 0.174

(ख) तरलीकृत ईपीएस की गणना **'000 में रुपए**

वर्ष का लाभ	20,000
घटाएँ: प्रीफरेंस शेयर पर लाभांश (4000 x 0.10)	<u>(400)</u>
	19,600

जोड़े: वित्त लागत (जैसा कि उपरोक्त तालिका में दिया गया है)	6,717.00	
घटाएँ: 30% की दर से कर	<u>(2,015.10)</u>	
		<u>4,701.90</u>
		<u>24,301.90</u>

$$\text{शेयर की भारत औसत संख्या} = 10,00,00,000 + \{2,50,00,000 \times (6/12)*\} + 5,00,00,000$$

$$= 16,25,00,000 \text{ शेयर या } 1,62,500 \text{ हजार शेयर}$$

$$\text{तरलीकृत ईपीएस} = \text{रु. } 24,301.90 \text{ हजार} / 1,62,500 \text{ हजार शेयर} = \text{रु. } 0.150$$

(ग)

	1 अप्रैल 2019 (रु.)	31 मार्च 2020 (रु.)	31 मार्च 2021 (रु.)	31 मार्च 2022 (रु.)
इक्विटी वैकल्पिक (80,000 x 125)	1,00,00,000 0			
नकदी वैकल्पिक (70,000 x 136))	95,20,000			
इक्विटी विकल्प (1,00,00,000 95,20,000)	4,80,000 -			
नकद विकल्प (संचयी) (अवधि के अंत में उचित मूल्य का प्रयोग कर)		(70,000 x 141 x 1/3) 32,90,000	(70,000 x 143 x 2/3) 66,73,333	(70,000 x 146 x 3/3) 1,02,20,000
इक्विटी विकल्प (संचयी)		(4,80,000 x 1/3) 1,60,000	(4,80,000 x 2/3) 3,20,000	(4,80,000 x 3/3) 4,80,000

अवधि के लिए व्यय			
इक्विटी विकल्प	1,60,000	(3,20,000 – 1,60,000) 1,60,000	(4,80,000 – 3,20,000) 1,60,000
नकदी विकल्प	32,90,000	(66,73,333 – 32,90,000) 33,83,333	(1,02,20,000 – 66,73,333) 35,46,667
कुल	<u>34,50,000</u>	<u>35,43,333</u>	<u>37,06,667</u>

जर्नल प्रविष्टि

(i) यदि नकदी वैकल्पिक चुना जाता है:		₹	₹
शेयर आधारित भुगतान देयता बैंक/नकदी के लिए (नकद में भुगतान)	नामे	1,02,20,000	1,02,20,000
शेयर आधारित भुगतान रिजर्व (इक्विटी)* रिटैंड अर्निंग (आरक्षित आय) (एक खाते से दूसरे में इक्विटी का हस्तांतरण)	नामे	4,80,000	4,80,000
(ii) यदि इक्विटी विकल्प चुना जाता है:			
शेयर आधारित भुगतान देयता शेयर आधारित भुगतान रिजर्व (इक्विटी) (देयता खाते से इक्विटी में हस्तांतरण)	नामे	1,02,20,000	1,02,20,000
शेयर आधारित भुगतान रिजर्व (इक्विटी) पूंजी के लिए सिक्क्योरिटीज प्रीमियम के लिए (इक्विटी में भुगतान)	नामे	1,07,00,000	80,00,000 27,00,000
इक्विटी निबटारे के अंतर्गत वैकल्पिक प्रविष्टियाँ			
(ii) यदि इक्विटी विकल्प चुना जाता है:			
शेयर आधारित भुगतान देयता	नामे	1,02,20,000	

शेयर पूंजी के लिए		80,00,000
सिक्वोरिटीज प्रीमियम के लिए (इक्विटी में निपटारा किया जा रहा है)		22,20,000
शेयर आधारित भुगतान रिजर्व (इक्विटी)*	नामे	4,80,000
रिटेंड अर्निंग (आरक्षित आय) के लिए (एक खाते से दूसरे में इक्विटी का हस्तांतरण)		4,80,000

*स्वीकृत इक्विटी कंपोनेंट (रु. 4,80,000) इक्विटी के अंदर रहेगा।

प्रश्न 6

(क) 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए ऑरेंज लिमिटेड अपने वार्षिक वित्तीय विवरण तैयार कर रहा है, जिस दौरान यह पता चला कि कॉर्पोरेट कार्यालय में चयनित कर्मचारियों को बोनस के भुगतान के लिए रचनात्मक दायित्व (कंस्ट्रक्टिव ऑब्लिगेशन) का प्रावधान (राशि में सामग्री) जिसे 31 मार्च 2020 को समाप्त हुए वर्ष के लिए वार्षिक वित्तीय विवरणों में दर्ज किया जाना था किंतु तथ्यों की अनदेखी के कारण को दर्ज नहीं किया गया। 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के दौरान ही बोनस का भुगतान किया गया था और उक्त वर्ष के वार्षिक वित्तीय विवरणों में इसे व्यय के रूप में दर्ज किया गया था।

कंपनी के एक वित्त प्रबंधक के रूप में, आपको विश्लेषण करना है कि क्या बोनस भुगतान के लिए रचनात्मक दायित्व वाली स्थिति एक त्रुटि है जिसके लिए यह देखते हुए कि राशि बड़ी है कम्पेरेटिव्स का पूर्वव्यापी विवरण जरूरी है। (5 अंक)

(ख) ईएनजी लिमिटेड ने आजीवन अपेक्षित (लाइफटाइम एक्सपेक्टेड) क्रेडिट लॉस मॉडल के आधार पर अपेक्षित क्रेडिट लॉस को मापने के लिए मॉडल तैयार किया है। इसके अनुसार, कंपनी ने निम्नलिखित प्रोविजनिंग मैट्रिक्स आकलन किया है:

	चालू	1-30 दिन पास्ट ड्यू	31-60 दिन पास्ट ड्यू	61-90 दिन पास्ट ड्यू	190 दिन से अधिक पास्ट ड्यू
डिफॉल्ट दर	0.3%	1.6%	3.6%	6.6%	10.6%

31 मार्च 2022 को केवल एक भौगोलिक क्षेत्र में कंपनी के पास 6 करोड़ के व्यापार प्राप्त (ट्रेड रिसीवेबल्स) का पोर्टफोलियो था। कंपनी के ग्राहक आधार में बड़ी संख्या में छोटे ग्राहक हैं और व्यापार प्राप्तियों को सामान्य जोखिम विशेषताओं में वर्गीकृत किया गया है जो अनुबंध की शर्तों के अनुसार सभी राशियों का भुगतान करने के लिए ग्राहक की क्षमताओं को दर्शाता है।

व्यापार प्राप्तियों में महत्वपूर्ण वित्त कंपोनेंट्स नहीं है। उपरोक्त प्रोविजन मैट्रिक्स व्यापार प्राप्तियों के अपेक्षित जीवनकाल पर ऐतिहासिक रूप से पाई गई डिफॉल्ट दर पर आधारित है और इसे भविष्य के आकलन हेतु समायोजित किया गया है।

कंपनी ने आपसे सुझाव मांगा है कि क्या अपेक्षित क्रेडिट लॉस (साख हानि) के लिए प्रावधान करने की उपरोक्त प्रणाली लागू किए जाने योग्य भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड के अनुसार है? यदि हाँ, तो निम्नलिखित आधार पर 31 मार्च, 2022 को बकाया व्यापार प्राप्तियों के लिए अपेक्षित क्रेडिट लॉस का निर्धारण करें:

	चालू	1-30 दिन पास्ट ड्यू	31-60 दिन पास्ट ड्यू	61-90 दिन पास्ट ड्यू	190 दिन से अधिक पास्ट ड्यू
व्यापार प्राप्य का %	50%	25%	13%	8%	4%

(5 अंक)

- (ग) फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के 5 परिचालन क्षेत्र हैं जिनके नाम K, L, M, N और O हैं। 31 मार्च, 2022 को समाप्त हुए वर्ष के लिए संबंधित क्षेत्रों के लाभ/हानि इस प्रकार हैं:

क्षेत्र	लाभ / (हानि) (₹ करोड़ में)
K	1,560
L	3,000
M	(4,600)
N	(9,000)
O	<u>12,000</u>
कुल	<u>2,960</u>

मात्रात्मक सीमा के आधार पर, आपको यह तय करना है कि उपरोक्त में से कौन सा क्षेत्र (सेगमेंट) 31 मार्च, 2022 को समाप्त होने वाले वर्ष में रिपोर्ट करने योग्य क्षेत्र माना जाएगा।

(5 अंक)

- (घ) 1 अप्रैल 2021 को हनी लिमिटेड ने स्मार्ट लिमिटेड नामक एक अन्य निकाय, में 40% ब्याज का अधिग्रहण किया। हनी लिमिटेड ने तय कि यह स्मार्ट लिमिटेड पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने में सक्षम है। हनी लिमिटेड ने स्मार्ट लिमिटेड में हिस्सेदारी हासिल करने के लिए कुल 95,00,000 रुपए भुगतान किए। अधिग्रहण की तारीख को, स्मार्ट लिमिटेड की शुद्ध संपत्ति का बुक वैल्यू (बही मूल्य) ₹. 1,80,00,000 था और उनका उचित मूल्य ₹. 2,20,00,000 था। हनी लिमिटेड ने तय किया कि ₹. 40,00,000 का अंतर परिसंपत्ति, प्लांट और उपकरण के मद से संबंधित था जिसका उपयोगी जीवन काल 10 वर्ष है।

वर्ष 2021-2022 के दौरान स्मार्ट लिमिटेड ने ₹. 16,00,000 मुनाफा कमाया। स्मार्ट लिमिटेड ने 31 मार्च 2022 को ₹. 24,00,000 लाभांश भुगतान किया। स्मार्ट लिमिटेड ने इक्विटी सिक्योरिटीज में दीर्घकालीन निवेश भी कर रखा है। भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड में, निवेश को भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड 109 के अनुसार एफवीटीओसीआई में वर्गीकृत किया गया है और स्मार्ट लिमिटेड ने ओआईसी में वर्ष के दौरान निवेश मूल्य में 4,00,000 रुपए वृद्धि दर्शाई है। यदि कोई आस्थगित कर प्रभाव है तो उसे नजरअंदाज करें।

संबंधित भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड के अनुरूप आपको 31 मार्च, 2022 तक स्मार्ट लिमिटेड में हनी लिमिटेड के निवेश की अंतिम शेष राशि ज्ञात करना है। (इक्विटी पद्धति का प्रयोग करें)

(5 अंक)

उत्तर

(क) भारतीय लेखा मानक 8 के पैराग्राफ 41 के अनुसार, वित्तीय विवरणों के करकों की पहचान, माप, प्रस्तुति या प्रकटीकरण में त्रुटियां उत्पन्न हो सकती हैं। वित्तीय विवरण में यदि कोई भौतिक त्रुटि या अभौतिक (इमटीरियल) त्रुटि हो जो किसी इकाई की वित्तीय स्थिति, वित्तीय प्रदर्शन या नकदी प्रवाह की किसी खास प्रस्तुतिकरण के लिए जानबूझकर की गई हो तो वित्तीय विवरण भारतीय अकाउंटिंग स्टैंडर्ड के अनुरूप नहीं। उस अवधि में पाई गई वर्तमान अवधि की संभावित त्रुटियों को प्रस्तुत किए जाने के लिए वित्तीय विवरण के अनुमोदन करने से पहले सुधार लिया जाता है। यद्यपि, कभी-कभी परवर्ती अवधि तक भौतिक त्रुटियों का पता नहीं चलता, और परवर्ती अवधि के लिए वित्तीय विवरण में प्रस्तुत तुलनात्मक व्यौरे में पूर्व अवधि की इन त्रुटियों को सुधारा जाता है।

यदि अन्य बातों के अलावा, निकाय अपने वित्तीय विवरणों में मर्दों का पूर्वव्यापी विवरण प्रस्तुत करता है और पूर्वव्यापी विवरण का पिछली अवधि के आरंभ में बैलेंस शीट की जानकारी पर भौतिक प्रभाव पड़ता हो तो भारतीय लेखा मानक 1 के पैराग्राफ 40क के अनुसार, निकाय द्वारा न्यूनतम तुलनात्मक वित्तीय विवरणों के अतिरिक्त पूर्ववर्ती अवधि के आरंभ में तीसरा बैलेंस शीट प्रस्तुत किया जाएगा।

प्रस्तुत मामले में, 31 मार्च, 2020 को समाप्त हुए वर्ष के दौरान हुए व्यय और 31 मार्च, 2020 की देनदारियों को बोनस व्यय और संबंधित प्रावधान नहीं दर्ज किए जाने के कारण कम दिखाया गया। दूसरी ओर, 31 मार्च, 2021 को समाप्त हुए वर्ष के लिए व्यय, वर्ष के दौरान हुए व्यय के रूप में पूर्वोक्त बोनस दर्ज किए जाने की वजह से उसी सीमा तक बढ़ाकर दिखाया गया। उक्त त्रुटियों को 31 मार्च 2022 को समाप्त हुए वर्ष के वार्षिक वित्तीय विवरणों में सुधारने हेतु:

- (क) लाभ एवं हानि का विवरण में तुलनात्मक राशियों (अर्थात्, 31 मार्च, 2021 को समाप्त वर्ष के लिए) का पुनर्विवरण दें; और
- (ख) पिछली अवधि के आरंभ (अर्थात्, 1 अप्रैल, 2020 तक) का एक तीसरा बैलेंस शीट प्रस्तुत करें, जिसमें यह बोनस के प्रावधान को दर्शाए और रिटेंड अर्निंग का पुनः उल्लेख करें।
- (ख) पोर्टफोलियो के अपेक्षित क्रेडिट लॉस जात करने के लिए, ईएनजी लिमिटेड को प्रावधान मैट्रिक्स का प्रयोग करना चाहिए। प्रावधान मैट्रिक्स व्यापार प्राप्तियों के अपेक्षित जीवनकाल पर ऐतिहासिक रूप से पाई गई डिफॉल्ट दरों पर आधारित होगा और भविष्य के आकलनों

हेतु समायोजित किया जाएगा। रिपोर्टिंग की प्रत्येक तारीख को पाई गई ऐतिहासिक डिफॉल्ट दर को अद्यतन किया जाएगा और भविष्य के आकलनों में परिवर्तनों का विश्लेषण किया जाएगा। इस मामले में, पूर्वानुमान यह है कि अगले वर्ष आर्थिक स्थिति में गिरावट आएगी। अतः, भारतीय लेखा मानक 109 के पैराग्राफ 5.5.15 के मुताबिक, व्यापार प्राप्तियों के लिए हानि भत्ता (लॉस अलाउंस) के माप लाइफटाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस के तुल्य राशि पर मापा जाएगा। ईएनजी लिमिटेड प्रावधान मैट्रिक्स का अनुमान उस आधार पर लगाता है।

बड़ी संख्या में छोटे ग्राहकों से व्यापार प्राप्तियाँ रु. 6,00,00,000 है और प्रोविजन मैट्रिक्स का प्रयोग कर मापा जाता है:

	प्रोविजन % आयु	सकल वहन राशि	डिफॉल्ट दर	लाइफटाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस अलाउंस (निवल अग्रणीत राशि x लाइफटाइम एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस दर)
क	ख	ग = ₹ 6 करोड़ x ख	घ	ड = ग x घ
		₹		₹
चालू	50%	3,00,00,000	0.3%	₹ 90,000
1-30 दिन पास्ट ड्यू	25%	1,50,00,000	1.6%	₹ 2,40,000
31-60 दिन पास्ट ड्यू	13%	78,00,000	3.6%	₹ 2,80,800
61-90 दिन पास्ट ड्यू	8%	48,00,000	6.6%	₹ 3,16,800
190 दिन से अधिक पास्ट ड्यू	4%	<u>24,00,000</u>	10.6%	<u>₹ 2,54,400</u>
		<u>6,00,00,000</u>		<u>₹ 11,82,000</u>

(ग) त्वरित मामले में प्रासंगिक रिपोर्ट योग्य क्षेत्र (सेगमेंट) निर्धारण हेतु मात्रात्मक सीमा के संदर्भ, भारतीय लेखा मानक 108 'परिचालन क्षेत्र' के पैराग्राफ 13(ख) नोट किया जा सकता है जो निम्न प्रावधान करता है:

“इसके उल्लेखित लाभ एवं हानि की संपूर्ण राशि (i) हानि की जानकारी नहीं देने वाले सभी परिचालन क्षेत्रों के संयुक्त उल्लेखित लाभ और (ii) हानि की जानकारी देने वाले सभी परिचालन क्षेत्रों के संयुक्त उल्लेखित लाभ की विशुद्ध राशि से 10 प्रतिशत या उससे अधिक रहे।”

भारतीय लेखा मानक 108 के अनुरूप, संबंधित क्षेत्र के लाभ/हानि की तुलना निम्नलिखित में जो अधिक है उसके साथ की जाएगी:

(i) लाभ में रहे सभी क्षेत्र, अर्थात्, K, L और O - कुल लाभ 16,560 करोड़ रुपए।

(ii) घाटे में रहे सभी क्षेत्र, अर्थात्, M और N- कुल हानि 13,600 करोड़ रुपए।

उपरोक्त में से जो बड़ा है- रु. 16,560 करोड़।

उपरोक्त के आधार पर उल्लेख किए जाने योग्य क्षेत्रों का निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा:

क्षेत्र	लाभ/हानि (₹ करोड़ में)	₹. 16,560 करोड़* की % आयु	उल्लेख किए जाने योग्य क्षेत्र
K	1,560	9.42%	नहीं
L	3,000	18.12%	हाँ
M	(4,600)	27.78%	हाँ
N	(9,000)	54.35%	हाँ
O	<u>12,000</u>	72.46%	हाँ
कुल	<u>2,960</u>		

यहाँ, L, M, N, O उल्लेख किए जाने योग्य क्षेत्र हैं।

(घ) इक्विटी विधि से हनी लिमिटेड के स्मार्ट लिमिटेड में निवेश की गणना:

	₹	₹
निवेश की लागत		
स्मार्ट लिमिटेड की निवल परिसंपत्ति का बुक वैल्यू में शेयर (40% x 1,80,00,000)	72,00,000	

स्मार्ट लिमिटेड की निवल परिसंपत्ति का उचित मूल्यांकन में शेयर (2,20,00,000-1,80,00,000) का 40%)	16,00,000	
स्मार्ट लिमिटेड में निवेश पर साख (गुडविल) (95,00,000-72,00,000-16,00,000) (शेष राशि)	<u>7,00,000</u>	95,00,000
वर्ष के दौरान लाभ		
स्मार्ट लिमिटेड द्वारा सूचित किए गए लाभ में शेयर (रु. 16,00,000 का 40%)	6,40,000	
उचित मूल्यांकन के प्रभाव को दर्शाने हेतु समायोजन [(रु. 40,00,000/10 वर्ष) का 40%]	<u>(1,60,000)</u>	
हनी लिमिटेड द्वारा आय में स्मार्ट लिमिटेड के लाभ का शेयर		4,80,000
दीर्घकालीन इक्विटी निवेश		
ओसीआई में दर्शाया गया एफवीटीओसीआई लाभ (रु. 4,00,000 का 40%)		1,60,000
वर्ष के दौरान हनी लिमिटेड द्वारा प्राप्त लाभांश [रु. 24,00,000 का 40%]		<u>(9,60,000)</u>
स्मार्ट लिमिटेड में हनी लिमिटेड के निवेश का समापन शेष		<u>91,80,000</u>